website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 338 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 14 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

दिल्ली लाल किला ब्लास्ट: कार में डॉ. उमर का DNA मैच, आतंक की साजिश उजागर

-CCTV फुटेज और फॉरेंसिक जांच से पता चला, ब्लास्ट के समय कार में सिर्फ डॉ. उमर ही मौजूद थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला के पास 10 नवंबर 2025 को हुई कार ब्लास्ट की घटना ने पूरे देश को दहला दिया। यह हमला न केवल राष्ट्रीय राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि आतंकवाद की बढ़ती जटिलता और उसके खतरनाक स्वरूप को भी सामने लाता है। अब जांच में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। फॉरेंसिक टीम ने यह पुष्टि की है कि ब्लास्ट के समय कार में मौजूद व्यक्ति डॉ. उमर था। सबसे पहले, घटना का दृश्य और ब्लास्ट की भयावहता पर नजर डालते हैं। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जो ब्लास्ट से ठीक पहले का है। दस सेकेंड के इस क्लोज वीडियो में देखा जा सकता है कि शाम करीब 6.51 बजे, सिग्नल हरा होने पर करीब 20 गाड़ियां लाइन में खड़ी थीं। जैसे ही वाहन आगे बढ़े, चलती हुई i20 कार में जोरदार धमाका हुआ। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास खड़ी गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए और आग की लपटें आसमान की ओर उठीं। इस ब्लास्ट के दो दिन बाद, धमाके की जगह से लगभग 300 मीटर दूर एक कटा हुआ हाथ मिला। पुलिस ने इसे तुरंत कब्जे में लिया और फॉरेंसिक जांच के लिए न्यू लाजपत नगर मार्केट की एक दुकान के शेड में भेज दिया। यह कदम इस बात का संकेत था कि जांच टीमें हर छोटी-से-छोटी साक्ष्य को गंभीरता से ले रही थीं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि सिल्वर रंग की ब्रेजा कार इस ब्लास्ट में इस्तेमाल की गई थी। पुलिस इसे तलाश रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आतंकियों

ने इस कार का इस्तेमाल लॉजिस्टिक सपोर्ट के लिए किया था। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ कि आतंकियों ने यह कार कहाँ से हासिल की और उनका असली मकसद क्या था। सबसे अहम जानकारी फॉरेंसिक टीम से आई। जांच में यह पाया गया कि कार से उमर के दांत, हड्डियां, खून लगे कपड़े और पैर का हिस्सा मिला। पैरों का हिस्सा स्टेयरिंग व्हील और एक्सीलेटर के बीच फंसा हुआ था। इन साक्ष्यों के आधार पर टीम ने उमर के DNA की जांच उसकी मां के DNA से करवाई। जांच में पुष्टि हुई कि यह DNA मेल खाता है। इस तरह यह साफ हो गया कि ब्लास्ट के वक्त कार में मौजूद व्यक्ति डॉ. उमर ही था। डॉ. उमर की इस घटना में भागीदारी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उसकी पहचान आतंकवाद के नेटवर्क और लॉजिस्टिक सपोर्ट सिस्टम के संदर्भ में बेहद अहम है। यह भी स्पष्ट हुआ कि ब्लास्ट केवल एक अज्ञात हमले का हिस्सा नहीं था, बल्कि इसमें व्यवस्थित योजना और रणनीति शामिल थी। 10 नवंबर की इस घटना में 13 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें स्थानीय नागरिक, पर्यटक और आसपास के लोग शामिल थे। इसके अलावा एक घायल व्यक्ति की मौत गुरुवार सुबह हुई, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ गई। इस ब्लास्ट ने न केवल दिल्लीवासियों में भय और चिंता पैदा की, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी चुनौती पेश की। विशेषज्ञों का कहना है कि लाल किला जैसी ऐतिहासिक और संवेदनशील जगह पर इस तरह का हमला सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी खामी को दर्शाता है। वहां मौजूद सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा बलों के बावजूद आतंकियों ने कार ब्लास्ट को अंजाम दिया। यह घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि सुरक्षा तंत्र को सतर्क और मजबूत बनाए रखना कितना आवश्यक है। इस हमले की जांच में अब मुख्य फोकस सिल्वर ब्रेजा कार और उसके नेटवर्क पर है। पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां आतंकियों के सम्पर्क, उनके समर्थन नेटवर्क और संभावित सहयोगियों की तलाश में जुटी हैं। जांच टीमें यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या डॉ. उमर अकेला था या उसके साथ और भी लोग थे।

लाल किला ब्लास्ट ने देशभर में आतंकवाद के खतरे की गंभीरता को उजागर किया है। यह घटना यह स्पष्ट करती है कि आतंकवाद केवल किसी एक व्यक्ति या समूह तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका नेटवर्क बड़ा, व्यवस्थित और खतरनाक है।

देश की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी- पीएम मोदी

-एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन से एमएसएमई को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को बढ़ावा मिलेगा और इससे देश की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को भी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

केंद्रीय कैबिनेट ने ईपीएम को किया एप्रूव-

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, "केंद्रीय कैबिनेट ने एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) को एप्रूव किया है, जो देश की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाएगा और एमएसएमई, फर्स्ट-टाइम एक्सपोर्ट्स और अधिक लेबर उपयोग वाले सेक्टर्स को मदद करेगा। यह प्रमुख पक्षकारों को एक साथ लाकर एक ऐसा सिस्टम तैयार करता है जो परिणाम आधारित और प्रभावी हो।"

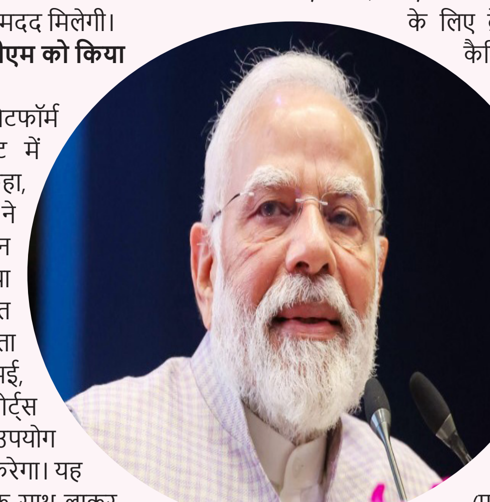

पीएम मोदी ने कहा- 'मेड इन इंडिया' की गूंज विश्व बाजार में और भी अधिक सुनाई दे-

उन्होंने पोस्ट में कहा कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि 'मेड इन इंडिया' की गूंज विश्व बाजार में और भी अधिक सुनाई दे। यह मिशन एक्सपोर्ट प्रमोशन के लिए कॉम्प्रिहेंसिव, फ्लेक्सिबल और डिजिटल संचालित फ्रेमवर्क उपलब्ध कराएगा। यह योजना पांच वर्ष के लिए वित्त वर्ष 2025-26 से लेकर वित्त वर्ष 2030-31 है और इसका परिव्यय 25,060 करोड़ रुपए था।

क्रेडिट गारंटी स्कीम को लेकर भी पीएम मोदी ने किया पोस्ट-

निर्यातकों के लिए लाई गई क्रेडिट गारंटी स्कीम पर पीएम मोदी ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि निर्यातकों के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम, जिसे कैबिनेट द्वारा एप्रूव किया गया है, वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी, सुचारू व्यावसायिक संचालन सुनिश्चित करेगी और आत्मनिर्भर भारत के हमारे सपने को साकार करने में मदद करेगी। क्रेडिट गारंटी स्कीम को मंजूरी मिलने से नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) द्वारा सदस्य क्रेडिट संस्थानों (एमएलआई) को 100 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी कवरेज प्रदान किया जा सकेगा, जिससे पात्र निर्यातकों, जिनमें एमएसएमई भी शामिल हैं, को 20,000 करोड़ रुपए तक की अतिरिक्त ऋण सुविधाएं प्रदान की जा सकेगी।

कैबिनेट के इन फैसलों से स्थिरता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा-

पीएम मोदी ने कहा कि कैबिनेट के इन फैसलों से स्थिरता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। इससे आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

MP-राजस्थान में शीतलहर का प्रकोप, दिल्ली-हरियाणा में जहरीली हवा का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत देश के कई उत्तरी हिस्सों में शीतलहर का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान के 9 शहरों और मध्य प्रदेश के 8 शहरों में बुधवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में लगातार पांचवें दिन रात का तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस मौसम ने लोगों को ठंड के अलावा कई तरह की परेशानियाँ भी दी हैं। मध्य प्रदेश में शीतलहर का असर ज्यादा देखने को मिल रहा है। भोपाल, जबलपुर, इंदौर और अन्य शहरों में रात का तापमान लगातार सामान्य से कई डिग्री नीचे बना हुआ है। राजस्थान में जयपुर, कोटा, उदयपुर और अलवर जैसे शहरों में ठंड का असर पूरी तरह महसूस किया जा रहा है। वहीं, हरियाणा में भी तापमान तेजी से गिरा है। राज्य के सात शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया, जिसमें नारनौल का तापमान सबसे कम 7.7 डिग्री सेल्सियस रहा। दिल्ली में भी ठंड ने दस्तक दी है। बुधवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री

सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से लगभग 3.1 डिग्री कम है। मौसम विभाग ने गुरुवार को सुबह हल्का कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है। इस कोहरे और ठंड के कारण लोगों को घर से बाहर निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, ठंड का असर अकेले नहीं है। दिल्ली और हरियाणा में जहरीली हवा ने भी लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण (AQI) खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। दिल्ली के बवाना में AQI 451 और चांदनी चौक में 449 दर्ज किया गया। वहीं, हरियाणा के जींद में 418 AQI के साथ सबसे ज्यादा प्रदूषण देखा गया। ऐसे उच्च स्तर का AQI स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक माना जाता है। इंडिया गेट और कर्तव्य पथ जैसे प्रमुख इलाकों में धुंध की घनी परत ने दृश्यता को लगभग शून्य कर दिया है। इंडिया गेट के पास AQI 408 दर्ज किया गया, जिससे यह क्षेत्र जहरीली धुंध की चादर में लिपटा नजर आया। सुबह-सुबह लोगों के लिए बाहर निकलना मुश्किल हो गया है, और अधिकतर लोग मास्क पहनकर ही बाहर जा रहे हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि ठंड का असर अगले कुछ दिनों तक बना रह सकता है। इसके साथ ही, वायु गुणवत्ता के स्तर पर भी नजर बनाए रखना बेहद जरूरी है।

शेख हसीना पर ICT का फैसला 17 नवंबर को, बांग्लादेश में हाई अलर्ट

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध मामले में ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (ICT) ने फैसला सुनाने की तारीख तय कर दी है। कोर्ट का फैसला 17 नवंबर, सोमवार को आएगा। हसीना पर 1400 हत्याओं, अपहरण और टॉर्चर जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। सरकारी वकील ने उनके खिलाफ पांच गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें हत्या, अपराध रोकने में नाकामी और मानवता के खिलाफ अपराध सबसे अहम हैं। वकील ने फांसी की सजा की भी मांग की है। फैसले से पहले ICT के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मामले को लेकर देशभर में सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। एयरपोर्ट और अहम सरकारी इमारतों पर पुलिस और सेना की तैनाती बढ़ा दी गई है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने गुरुवार को सुबह से शाम तक देशव्यापी लॉकडाउन का ऐलान किया है। बढ़ते तनाव को देखते हुए चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस कुछ ही देर में देश को संबोधित करेंगे। इस फैसले से बांग्लादेश में राजनीतिक और सामाजिक माहौल पर गहरा असर पड़ने की संभावना है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध मामले में ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (ICT) 17 नवंबर, सोमवार को फैसला सुनाएगी। हसीना पर 1400 हत्याओं, अपहरण और टॉर्चर के गंभीर आरोप हैं। सरकारी वकील ने उनके खिलाफ पांच गंभीर आरोप लगाए हैं और फांसी की सजा की मांग की है। शेख हसीना पर 17 नवंबर को फैसला, 1400 हत्याओं और मानवता विरोधी अपराधों के आरोप; बांग्लादेश में सुरक्षा कड़ी, तनाव चरम पर।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भारत और मॉरीशस के बीच 'ब्लू इकोनॉमी' में साझा हिस्सेदारी पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मॉरीशस के नौकरशाहों के एक समूह को संबोधित करते हुए 'ब्लू इकोनॉमी' में दोनों देशों की साझा हिस्सेदारी पर जोर दिया। उन्होंने मत्स्य पालन, महासागर प्रौद्योगिकी और विलवणीकरण जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत और मॉरीशस के बीच गहन सहयोग का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने इन्हें दोनों समुद्री राष्ट्रों के लिए "स्थायी विकास और पारस्परिक समृद्धि के नए मोर्चों" के रूप में वर्णित किया। बुधवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एनसीजीजी) में मॉरीशस के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि समुद्री संसाधन प्रबंधन और महासागर आधारित प्रौद्योगिकियों में भारत का विशाल अनुभव मॉरीशस के विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मॉरीशस के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के लिए दूसरे क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग ले रहे वहां के 14 मंत्रालयों के 17 वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने डीप ओशन मिशन जैसी पहलों

के माध्यम से समुद्री संसाधनों के दोहन में भारत की सफलता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि समुद्री जल को पीने योग्य बनाने में भारत की विशेषज्ञता ने लक्षद्वीप जैसे द्वीपीय क्षेत्रों का पहले ही कायाकल्प कर दिया है और यह मॉरीशस के लिए व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर सकता है, जो समुद्र से घिरा होने के बावजूद पेयजल की कमी की समस्या से जूझ रहा है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बातचीत के दौरान कहा, "हर जगह पानी ही पानी है, और पीने लायक भी नहीं है—इस विरोधाभास को तकनीक के ज़रिए दूर किया जा सकता है। हमारे विलवणीकरण संयंत्रों ने खारे पानी को पीने योग्य पानी में सफलतापूर्वक बदला है और उसी प्रक्रिया से हरित ऊर्जा भी पैदा की है।" आपको बता दें, एनसीजीजी में 10 से 15 नवंबर तक चलने वाला यह कार्यक्रम मार्च 2025 में भारत और मॉरीशस के बीच हस्ताक्षरित एक दीर्घकालिक सहयोग ढांचे का हिस्सा है, जिसके तहत मॉरीशस के 500 प्रशासनिक अधिकारियों को पांच वर्षों में प्रशिक्षित किया जाएगा। मॉरीशस के लोक सेवा एवं प्रशासनिक सुधार मंत्रालय के वरिष्ठ मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धनंजय कावोल के नेतृत्व में वर्तमान प्रतिनिधिमंडल इस पहल के तहत भारत आने वाले सबसे वरिष्ठ बैचों में से एक है। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान, दोनों पक्षों से नीली अर्थव्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा और विलवणीकरण।

पाकिस्तान का 27वां संवैधानिक संशोधन

-आर्मी चीफ को अधिक शक्तियाँ, विपक्ष में हंगामा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की संसद ने बुधवार को एक ऐतिहासिक और विवादित निर्णय लेते हुए 27वें संवैधानिक संशोधन को मंजूरी दे दी। इस संशोधन का उद्देश्य आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर की शक्तियों को बढ़ाना और सुप्रीम कोर्ट की शक्ति को सीमित करना है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संशोधन में कुल 48 अनुच्छेदों में बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं। नेशनल असेंबली ने इस बिल को 234 मतों से पास किया, जबकि केवल चार सांसदों ने इसका विरोध किया। इसके पहले ही सीनेट ने इसे दो दिन पहले ही मंजूरी दे दी थी। अब राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाएगा। संशोधन के तहत जनरल आसिम मुनीर को तीनों सेनाओं—आर्मी, नेवी और एयर फोर्स—का चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (CDF) बनाया जाएगा। यह पद उन्हें 27 नवंबर 2025 से प्राप्त होगा। इस पद के साथ उन्हें परमाणु हथियारों की कमांड का अधिकार भी मिलेगा। साथ ही, संशोधन में यह प्रावधान है कि अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद भी वह अपने पद पर बने रह सकते हैं और उन्हें आजीवन कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी।

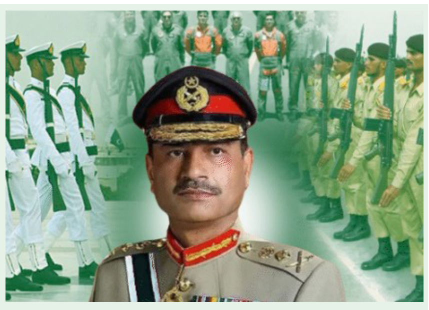

अमेरिका का सबसे लंबा शटडाउन 43 दिन बाद खत्म

-हेल्थकेयर सब्सिडी पर संघर्ष जारी

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका में सबसे लंबा सरकारी शटडाउन आखिरकार 43 दिन बाद खत्म हो गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक सरकारी फंडिंग बिल पर हस्ताक्षर किए, जिससे लंबित शटडाउन को समाप्त किया गया। इस बिल को हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने 222-209 के अंतर से पास किया था। इससे पहले यह विधेयक सीनेट में भी मंज़ूरी पा चुका था। हालांकि, इस नए बिल में हेल्थ केयर प्रोग्राम ACA (अफोर्डेबल केयर एक्ट) की सब्सिडी को बढ़ाने के वादे को शामिल नहीं किया गया है। इस सब्सिडी के प्रीमियम टैक्स क्रेडिट्स 31 दिसंबर 2025 को समाप्त होने वाले हैं। इसी कारण, डेमोक्रेटिक नेताओं ने इस मुद्दे पर लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि ACA सब्सिडी बढ़ाने की मांग अभी पूरी नहीं हुई है और वे इसे लेकर संघर्ष जारी रखेंगे। राष्ट्रपति ट्रम्प ने बिल पर हस्ताक्षर करते समय कहा, "देश इससे बेहतर स्थिति में कभी नहीं रहा। यह एक महान दिन है।" इस बिल के पास होने के बाद सरकार को 31 जनवरी तक फंडिंग उपलब्ध रहेगी।

लगभग 6 करोड़ मृतकों के आधार अभी भी सक्रिय, UIDAI ने शुरू किया बड़ा सर्वे

-UIDAI का अलर्ट: लाखों मृतक आधार कार्ड अभी भी सक्रिय, बैंकिंग और योजनाओं में जोखिम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में हर नागरिक को आधार नंबर जारी करने की प्रक्रिया को अब 15 साल पूरे हो चुके हैं। इस दौरान 142 करोड़ से अधिक आधार कार्ड देशवासियों को प्रदान किए गए। लेकिन इस विशाल डेटाबेस में कुछ गंभीर खामियां सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 8 करोड़ से अधिक आधार धारकों की मौत हो चुकी है, इसके बावजूद उनके लगभग 6 करोड़ आधार कार्ड अब भी सक्रिय हैं। केवल 1.83 करोड़ कार्ड ही मृतक होने के बाद निष्क्रिय किए गए हैं। यह स्थिति न केवल डेटा की विश्वसनीयता को प्रभावित कर रही है, बल्कि इससे बैंक धोखाधड़ी, फर्जी खातों का निर्माण और सरकारी योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी जैसी समस्याओं के बढ़ने का खतरा भी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मृतकों के आधार सक्रिय रहेंगे तो यह देश की वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के लिए एक बड़ा जोखिम बन सकता है। UIDAI (यूनिक

आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया) के सीईओ भुवनेश कुमार के मुताबिक, भारत के महापंजीयक कार्यालय (RGI) से अब तक 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा UIDAI को प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त, नवंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच 38 लाख और मृतकों की सूची UIDAI के पास जुड़ी है। इस सूची का विस्तृत विश्लेषण करने के बाद, UIDAI ने पाया कि अब तक 1.17 करोड़ मृतक आधार धारकों की पहचान पुष्टि हो चुकी है और उनके आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। प्राधिकरण का अनुमान है कि आगामी दिसंबर तक यह संख्या बढ़कर 2 करोड़ तक पहुंच जाएगी। UIDAI ने मृतक आधार कार्ड को निष्क्रिय कराने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए चार महीने पहले वेबसाइट पर 'मृत्यु सूचना पोर्टल' शुरू किया। इस पोर्टल के माध्यम से परिजन अब ऑनलाइन मृतक का आधार निष्क्रिय कराने के लिए जानकारी दर्ज कर सकते हैं। हालांकि, इस सुविधा के शुरू होने के बावजूद अभी तक केवल 3,000 लोगों ने ही इस पोर्टल पर जानकारी दर्ज की है, और इनमें से केवल 500 मामलों में ही पुष्टि हो सकी और आधार निष्क्रिय किए गए।

रॉयल पत्रिका
संपादकीय....

सुरक्षा से जुड़ी खामियों को दुरुस्त करने का वक्त

दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले से महज तीन सौ मीटर दूर हुआ यह विस्फोट सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक गहरी चेतावनी है। यह घटना उस स्थान के बिल्कुल पास घटी है, जो न सिर्फ भारत की आज़ादी का प्रतीक है, बल्कि हर साल स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को संबोधित करने का केंद्र भी रहा है। ऐसे इलाके में कार बम विस्फोट का होना यह साबित करता है कि हमारी सुरक्षा प्रणाली में कई परतों पर गंभीर खामियां मौजूद हैं। राजधानी जैसे अति-संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की घटना का घट जाना न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाता है, बल्कि इस बात की ओर भी इशारा करता है कि संभावित खतरों को भांपने में हमारी एजेंसियां कहीं न कहीं चूक रही हैं। इस ब्लास्ट की सबसे चिंताजनक बात यह है कि सीसीटीवी फुटेज के अनुसार वह कार तीन घंटे तक लाल किले के आसपास खड़ी रही। यह समय इतना लंबा था कि अगर निगरानी तंत्र पूरी तरह सतर्क रहता तो निश्चित रूप से कार की संदिग्ध स्थिति का पता चल जाता। इस तथ्य से यह साफ झलकता है कि इलाके में सुरक्षा कर्मियों की गश्त, सीसीटीवी मॉनिटरिंग और इंटेलिजेंस नेटवर्क, तीनों स्तरों पर लापरवाही या लचर व्यवस्था मौजूद थी। जब देश के दिल — दिल्ली — के सबसे संवेदनशील क्षेत्र में ऐसी सुरक्षा चूक सामने आती है, तो यह किसी भी नागरिक के मन में भय और असुरक्षा की भावना पैदा कर देती है। इस हादसे को केवल तकनीकी विफलता या संयोग नहीं कहा जा सकता। सुरक्षा एजेंसियों का यह दावा कि विस्फोटक किसी और जगह ले जाया जा रहा था, इस बात की ओर संकेत करता है कि असली लक्ष्य कुछ और भी हो सकता था। यानी यह विस्फोट शायद पूरी साजिश का हिस्सा नहीं बल्कि उसकी शुरुआती कड़ी थी। यदि कार अपने निर्धारित गंतव्य तक पहुंच जाती, तो परिणाम और भी भयानक हो सकते थे। इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि यह एक बड़ी आतंकी योजना थी जो बीच में ही असफल हो गई। इस तरह के अंदेशे से देश की खुफिया एजेंसियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे न केवल इस विस्फोट के तकनीकी पहलू को समझें बल्कि उस पूरे नेटवर्क का पता लगाएं जो इस साजिश के पीछे छिपा है। लाल किला न केवल ऐतिहासिक धरोहर है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतीक भी है। इसके आस-पास सुरक्षा व्यवस्था हमेशा उच्चतम स्तर पर रखी जाती है। हर आम दिन भी यहां सशस्त्र सुरक्षा बलों की मौजूदगी रहती है, और हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए अत्याधुनिक कैमरे लगे हैं। इसके बावजूद यदि विस्फोट जैसी घटना घट जाती है तो यह साबित करता है कि तकनीक तो मौजूद है, लेकिन उसका इस्तेमाल या तो समय पर नहीं हुआ या फिर गंभीरता से नहीं लिया गया।

दिल्ली कार बम ब्लास्ट: सुरक्षा की परीक्षा और दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता

-सुरक्षा खामियां और प्रशासनिक चुनौतियाँ

दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट ने न केवल राष्ट्रीय राजधानी की सुरक्षा की संवेदनशीलता को उजागर किया है, बल्कि देशभर में आतंकवाद के खतरे की गंभीरता को भी एक बार फिर सामने ला दिया है। यह घटना दर्शाती है कि आतंकवादी अब नए तरीकों से बड़ी शहरों को निशाना बना रहे हैं और उनकी रणनीति में लगातार बदलाव आ रहा है। हाल के वर्षों में भारत ने कई आतंकवादी हमलों का सामना किया है, लेकिन इस बार का हमला अपनी योजना, समय और स्थान की दृष्टि से अत्यंत चिंताजनक है।

विस्फोट की पृष्ठभूमि और संदर्भ

इस साल अप्रैल में जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुई भयावह और रक्तरजित त्रासदी ने पहले ही देश की सुरक्षा एजेंसियों के लिए चेतावनी जारी की थी। उस घटना का उद्देश्य कश्मीर में उभरती शांति और सामान्य स्थिति को भंग करना था। उस हमले ने न केवल घाटी की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया बल्कि देश के सामरिक और मानसिक ढांचे पर भी गंभीर चुनौती पेश की। दिल्ली में हुए हालिया कार बम विस्फोट का विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट है कि आतंकवादी अपनी पहुँच को अब राष्ट्रीय राजधानी तक विस्तृत कर चुके हैं। लाल किले के पास यह हमला केवल एक स्थानिक घटना नहीं है; यह देश की सुरक्षा प्रणाली और नागरिकों के मनोबल को सीधे निशाना बनाता है।

आतंकवाद के नए रूप और रणनीति

वर्तमान समय में आतंकवादी केवल जानलेवा हमलों तक सीमित नहीं हैं। उनकी रणनीति अधिक जटिल, संगठित और विस्तृत हो गई है। वे न केवल भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार कर रहे हैं, बल्कि अपने नेटवर्क को अंतरराष्ट्रीय सहयोग और तकनीकी साधनों के माध्यम से मजबूत कर रहे हैं। दिल्ली के विस्फोट में, यह स्पष्ट हो गया है

कि आतंकवाद की रणनीति में नया आयाम जुड़ चुका है। अब उनका लक्ष्य केवल क्षेत्रीय अशांति पैदा करना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजधानी को निशाना बनाकर पूरे देश में डर और असुरक्षा का माहौल पैदा करना है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस हमले के तार जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों से जुड़े हैं। एनआइए की प्रारंभिक जांच के अनुसार इस बार तीन डॉक्टर — आदिल, मुजामिल और उमर — दक्षिण कश्मीर से सीधे जुड़े हुए हैं, जो आतंकवाद का गढ़ माना जाता रहा है। इस तथ्य से यह स्पष्ट होता है कि यह हमला केवल किसी व्यक्तिगत या स्थानीय आतंकवादी प्रयास का परिणाम नहीं है, बल्कि इसमें गहन और संगठित अंतरराष्ट्रीय समर्थन शामिल है।

सुरक्षा खामियां और प्रशासनिक चुनौतियाँ

दिल्ली जैसे संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले शहर में सुरक्षा सुनिश्चित करना हमेशा एक चुनौती रही है। हालांकि हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने कई बार गंभीर हमलों को नाकाम किया है, फिर भी लाल किले के पास हुआ यह विस्फोट यह दिखाता है कि सुरक्षा व्यवस्था में कई परतों पर कमियाँ हैं। आवागमन और निगरानी प्रणाली की खामियाँ: कार बम जैसी घटनाओं में अक्सर यह देखा गया है कि प्रमुख और संवेदनशील स्थलों पर वाहनों की निगरानी पर्याप्त नहीं होती। आधुनिक तकनीक और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के बावजूद, सुरक्षा परतों में अंतराल आतंकवादियों के लिए अवसर प्रदान करते हैं। सुरक्षा और सामरिक योजना में सामंजस्य का अभाव: विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान और योजना का समन्वय कई बार सही ढंग से नहीं हो पाता। इससे आतंकवादियों को रणनीति बदलने और हमला करने का समय मिलता है। सामाजिक और नागरिक जागरूकता की कमी: सुरक्षा केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं रह सकती। नागरिकों की सतर्कता, सूचना साझा करने की तत्परता और संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्टिंग में यदि कमी हो तो सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ जाती है।

एनआइए की भूमिका और जांच की दिशा

सरकार ने इस गंभीर हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) को सौंप दी है। एनआइए पहले भी पहलगाम आतंकी हमले की जांच कर चुकी है और उसने पाकिस्तान से जुड़े ठोस सबूत सामने लाए थे। इस बार भी एजेंसी के सामने चुनौती यही है कि वह आतंकवाद के पूरे नेटवर्क का पता लगाए, जिसमें दिल्ली और कश्मीर दोनों शामिल हैं। एनआइए को केवल हमले के तत्काल संदर्भ की जांच नहीं करनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क की भूमिका, वित्तीय स्रोत, सहयोगियों की पहचान और उनके संभावित भविष्य के प्रयासों का विश्लेषण करना होगा। इससे न केवल दोषियों को सजा दी जा सकेगी, बल्कि भविष्य में इस तरह के हमलों को रोकने के लिए रणनीतिक तैयारी भी संभव होगी।

दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता

इस घटना से स्पष्ट हो गया है कि देश को केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हमें दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें निम्नलिखित पहलू शामिल हों: सुरक्षा तंत्र का आधुनिकीकरण: राष्ट्रीय राजधानी और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक, ड्रोन निगरानी, डेटा एनालिटिक्स और रियल-टाइम फेशियल रिकॉग्निशन जैसी विधियों को लागू करना आवश्यक है। साझा जिम्मेदारी और नागरिक भागीदारी: सुरक्षा केवल सरकारी एजेंसियों का कार्य नहीं है। आम नागरिकों को भी जागरूक किया जाए कि वे संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करें और सुरक्षा तंत्र के सहयोगी बनें। अंतरराष्ट्रीय सहयोग: आतंकवाद के अधिकांश नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े हैं। पाकिस्तान और अन्य देशों में सक्रिय आतंकवादी समूहों के खिलाफ कूटनीतिक दबाव और साझा खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान आवश्यक है। सामाजिक और आर्थिक सुधार: कई बार आतंकवादी तत्व उन क्षेत्रों में सक्रिय होते हैं जहाँ सामाजिक और आर्थिक असमानता अधिक होती है। शिक्षा, रोजगार और स्थानीय विकास के माध्यम से युवाओं को आतंकवाद से दूर रखा जा सकता है। मानसिक और सामरिक तैयारी: सुरक्षा बलों को नियमित रूप से आधुनिक आतंकवाद की रणनीतियों पर प्रशिक्षण देना चाहिए। उन्हें ऐसे हमलों के लिए तैयार रहना होगा, जिनमें तकनीकी, रासायनिक या सामूहिक हमला शामिल हो सकता है।

नागरिक मनोबल और सामाजिक प्रतिक्रिया

दिल्ली विस्फोट ने यह भी दिखाया कि आतंकवादी केवल भौतिक नुकसान ही नहीं, बल्कि मानसिक दबाव और भय फैलाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आम नागरिकों का मनोबल और उनकी सुरक्षा की भावना इस पर निर्भर करती है कि सरकार और सुरक्षा एजेंसियाँ कितनी तत्परता और सफलता के साथ स्थिति को संभालती हैं। इसलिए जरूरी है कि मीडिया, प्रशासन और नागरिक संगठन मिलकर समाज को डर और आतंक से सुरक्षित रखें। अफवाहों और अति-संवेदनशील प्रतिक्रियाओं से बचते हुए स्थिति को सामान्य बनाने के उपाय करने होंगे। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद अब नए रूपों में देश की सुरक्षा को चुनौती दे रहा है। यह केवल एक हमले की घटना नहीं है, बल्कि हमारे सुरक्षा तंत्र की जाँच और नागरिकों की भागीदारी की परीक्षा भी है। एनआइए और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को पूरी सतर्कता और कुशलता के साथ जांच करनी होगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करनी होगी। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा नीतियों में तकनीकी और सामरिक सुधार के साथ-साथ नागरिकों की जागरूकता और भागीदारी भी शामिल हो। केवल इस समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से हम आतंकवाद के बढ़ते खतरे को नियंत्रित कर सकते हैं और देशवासियों की सुरक्षा तथा मनोबल को बनाए रख सकते हैं। देश को अब यह समझना होगा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सुरक्षा बलों तक सीमित नहीं है; यह हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है। जागरूक नागरिक, मजबूत सुरक्षा ढांचा और सतत सुधार की नीति ही भारत को आतंकवाद की चुनौती से सुरक्षित रख सकती है।

एनजीटी का आदेश: संवेदनशील क्षेत्रों में खनन पर प्रतिबंध और सतत विकास

-विकास और पर्यावरण संतुलन के लिए एनजीटी का कदम: मंदिर व शिक्षण संस्थाओं की सुरक्षा जरूरी

देश में विकास और उद्योग की गतिविधियों को बढ़ावा देना आवश्यक है, लेकिन यह तभी संभव है जब पर्यावरणीय सुरक्षा और मानव सुरक्षा के प्रति जागरूकता बनी रहे। हाल ही में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है, जिसमें मंदिरों और शिक्षण संस्थाओं से पांच सौ मीटर की दूरी तक खनन और विस्फोटक गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगाने की बात कही गई है। यह आदेश न केवल पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि मानव जाति की सुरक्षा, बच्चों की सेहत, श्रद्धालुओं की आस्था और सामाजिक जीवन के संतुलन के लिए भी आवश्यक कदम है।

खनन गतिविधियों और उनके दुष्प्रभाव

खनन, जहां एक ओर उद्योग और विकास की रीढ़ माना जाता है, वहीं इसके दुष्प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खनन के दौरान होने वाले विस्फोट और भारी मशीनों का संचालन आसपास की इमारतों और संरचनाओं के लिए खतरा पैदा करता है। मंदिरों और स्कूलों जैसी संवेदनशील संस्थाओं के पास खनन गतिविधियां सीधे तौर पर जनजीवन को प्रभावित करती हैं। विस्फोट से उत्पन्न कंपन और धूलकण न केवल इमारतों को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि भूजल स्तर, वनस्पति और वायु गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रभाव डालते हैं। बीते कुछ वर्षों में खनन क्षेत्रों के पास स्थित धार्मिक स्थलों और शिक्षण संस्थानों में इस समस्या का सामना आम तौर पर देखा गया है। बच्चों की सेहत पर इसका असर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। लगातार कंपन और धूलकण सांस संबंधी बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था भी प्रभावित होती है। जब धार्मिक स्थलों में शांति और वातावरण बिगड़ता है, तो यह सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन पर भी नकारात्मक असर डालता है।

एनजीटी का आदेश और उसका महत्व

एनजीटी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नियमों में पहले से प्रावधान होने के बावजूद कई बार खनन के पट्टे स्कूल और मंदिरों के आसपास जारी कर दिए जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि प्रशासन और संबंधित महकमा तब ही हरकत में आता है जब कोई बड़ा हादसा हो जाता है। यह एक गंभीर चुनौती है, क्योंकि संवेदनशील स्थानों पर खनन के कारण उत्पन्न जोखिम को समय रहते नियंत्रित करना जरूरी होता है। एनजीटी का यह आदेश इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह पर्यावरण और मानव सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है। विस्फोटों से उत्पन्न कंपन न केवल इमारतों को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि मिट्टी की संरचना, जलस्तर और वायु की शुद्धता को भी प्रभावित करते हैं। मंदिरों जैसी पुरातात्विक धरोहरें और स्कूल जैसी संवेदनशील संस्थाएं ऐसे खतरे में सबसे ज्यादा रहती हैं। इस दृष्टि से देखा जाए तो एनजीटी का यह कदम पर्यावरणीय चेतना और मानव सुरक्षा की दिशा में ठोस प्रयास है।

प्रशासन और उद्योग की जिम्मेदारी

निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन केवल आदेश जारी करने से संभव नहीं है। इसके लिए प्रशासन और खनन विभाग की जिम्मेदारी अहम है। खनन कार्यों की निगरानी, नियमित निरीक्षण और नियमों के पालन की जांच सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके साथ ही उद्योगों का भी दायित्व बनता है कि वे शिक्षण संस्थाओं और धार्मिक स्थलों के संरक्षण में सहयोग करें। खनन के दौरान प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों का प्रयोग अनिवार्य किया जाना चाहिए। धूल और ध्वनि नियंत्रण के लिए विशेष उपकरणों और तकनीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा उद्योगों को स्थानीय समुदाय और स्कूलों के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता अभियान भी चलाने चाहिए।

वैकल्पिक खनन क्षेत्रों का महत्व

विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा का संतुलन तभी संभव है जब उद्योगों को खनिज पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक खनन क्षेत्रों का चयन किया जाए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खनन आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके, लेकिन संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यावरण और मानव जीवन को खतरा न पहुंचे।

वैकल्पिक खनन क्षेत्रों का चयन करते समय कई पहलुओं पर ध्यान देना होगा: प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग – खनिज पदार्थों का निष्कर्षण इस तरह किया जाए कि भूमि और जल संसाधनों पर नकारात्मक प्रभाव न्यूनतम हो। समुदाय और जनजीवन पर असर – खनन गतिविधियों से आसपास के निवासियों, बच्चों और धार्मिक स्थलों पर प्रभाव न पड़े। पर्यावरणीय नियमों का पालन – हर नए खनन क्षेत्र में पर्यावरणीय आकलन (EIA) आवश्यक होना चाहिए। इससे पता चलेगा कि वहां खनन किस हद तक सुरक्षित है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए तकनीकी उपाय

खनन के दौरान उत्पन्न होने वाले प्रदूषण और खतरे को कम करने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग बेहद जरूरी है। उदाहरण के तौर पर:

धूल नियंत्रण: खनन के दौरान पानी के छिड़काव, विशेष फिल्टर और कवरिंग तकनीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। ध्वनि नियंत्रण: विस्फोट और मशीनरी से उत्पन्न आवाज को कम करने के लिए ध्वनि अवशोषक उपकरण लगाए जा सकते हैं। भूकंपीय निगरानी: विस्फोट के दौरान होने वाले कंपन की निगरानी कर आसपास के इमारतों और संवेदनशील क्षेत्रों को सुरक्षित रखा जा सकता है। वनस्पति और जल संरक्षण: खनन क्षेत्र के आसपास पेड़ और जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए विशेष योजनाएं बनाई जानी चाहिए। मंदिर और स्कूल केवल भौतिक संरचनाएं नहीं हैं। ये सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा हैं। बच्चों की पढ़ाई, धार्मिक अनुष्ठान, सामुदायिक गतिविधियां—सब कुछ इन संस्थाओं के सुरक्षित और शांत वातावरण पर निर्भर करता है। जब खनन गतिविधियों के कारण वहां धूल, कंपन और प्रदूषण बढ़ता है, तो इसका सीधा असर समाज और संस्कृति पर पड़ता है। इसलिए एनजीटी का आदेश केवल तकनीकी या प्रशासनिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह संकेत देता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह मानव जीवन और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए। देश में खनन के लिए पहले से कई नियम और कानून बने हुए हैं, लेकिन उनका पालन हमेशा सुनिश्चित नहीं होता। अक्सर खनन पट्टे वितरण में शिथिलता और अनियमितता दिखाई देती है।

स्पेस पॉल्यूशन: तकनीकी नवाचार और सख्त नियमों से ही बच सकती है पृथ्वी

-अंतरिक्ष में बढ़ता प्रदूषण, वायुमंडल और जीवन पर गंभीर असर

आज के आधुनिक युग में इंसान ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अद्‌त उपलब्धियाँ हासिल की हैं। अंतरिक्ष की यात्रा, उपग्रहों की कक्षा में तैनाती, और रॉकेट तकनीक की प्रगति ने हमें पृथ्वी के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोल दिया है। लेकिन इस प्रगति के साथ-साथ एक गंभीर समस्या भी सामने आ रही है, जिसे हम अनदेखा नहीं कर सकते — अंतरिक्ष प्रदूषण या स्पेस पॉल्यूशन। अंतरिक्ष, जिसे कभी अछूता और शुद्ध माना जाता था, अब विभिन्न प्रकार के प्रदूषण का सामना कर रहा है। यह प्रदूषण न केवल पृथ्वी पर रहने वाले जीवन के लिए खतरनाक हो सकता है, बल्कि भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों और उपग्रहों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

अंतरिक्ष प्रदूषण की स्थिति

लंदन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने हाल ही में किए गए अध्ययन में यह खुलासा किया है कि पृथ्वी के ऊपर वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा असाधारण रूप से बढ़ रही है। उनके अनुसार, अंतरिक्ष से संबंधित प्रदूषण का प्रभाव धरती पर मौजूद वायुमंडल में 500 गुना अधिक नकारात्मक असर डाल रहा है। इसका मुख्य कारण रॉकेट लॉन्चिंग और सैटेलाइट तैनाती हैं। इस बात को समझना जरूरी है कि रॉकेट और उपग्रहों से उत्सर्जित हानिकारक गैसें और धूल वायुमंडल की ऊपरी परतों में जमा होती हैं। इन ऊपरी परतों का काम पृथ्वी को सूर्य की हानिकारक किरणों और बाहरी अंतरिक्ष के खतरों से बचाना है। लेकिन जब इन परतों में प्रदूषण बढ़ता है, तो यह प्राकृतिक सुरक्षा कवच कमजोर हो जाता है। वर्तमान समय में पृथ्वी की कक्षा में लगभग 2200 से ज्यादा उपग्रह घूम रहे हैं। इनमें से कई भूस्थिर कक्षा (GEO) में हैं और कई निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में। भूस्थिर कक्षा में कचरे की मात्रा अपेक्षाकृत कम है, लेकिन लियो में मौजूद उपग्रहों और उनके अवशेषों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

अंतरिक्ष प्रदूषण के स्रोत

अंतरिक्ष प्रदूषण के मुख्य स्रोतों में शामिल हैं:

रॉकेट लॉन्चिंग: रॉकेटों में इस्तेमाल होने वाला ईंधन जलने पर हानिकारक गैसें और रासायनिक अवशेष छोड़ता है। ये अवशेष वायुमंडल की ऊपरी परतों में जमकर ओजोन परत और अन्य सुरक्षा कवच को कमजोर कर सकते हैं।

सैटेलाइट और उनके अवशेष: हर उपग्रह का जीवनकाल सीमित होता है। कई उपग्रह 5 से 15 वर्षों में अपनी कार्यशीलता खो देते हैं और फिर वे अनियंत्रित कचरे के रूप में कक्षा में रह जाते हैं।

अंतरिक्ष मलबा (Space Debris): पिछले दशकों में भेजे गए कई उपग्रह और उनके टूटे हुए हिस्से कक्षा में रहते हैं। ये छोटे टुकड़े भी तेज़ी से घूम रहे हैं और किसी सक्रिय उपग्रह या अंतरिक्ष यान से टकराकर गंभीर नुकसान कर सकते हैं।

अनियंत्रित मिशन और परीक्षण: कभी-कभी अंतरिक्ष में विभिन्न देशों द्वारा किए गए हथियार परीक्षण, मिसाइल परीक्षण और अन्य मिशनों के दौरान भी प्रदूषण फैलता है।

वायुमंडल और पर्यावरण पर असर

अंतरिक्ष से आने वाला प्रदूषण केवल तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि यह पृथ्वी के प्राकृतिक पर्यावरण को भी प्रभावित करता है। वायुमंडल की ऊपरी परतों में जमा होने वाले प्रदूषक ओजोन परत को कमजोर कर सकते हैं। ओजोन परत सूर्य की पराबैंगनी किरणों से पृथ्वी को बचाती है। यदि यह परत कमजोर हो जाती है, तो इसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं: मानव स्वास्थ्य पर असर: पराबैंगनी किरणों की अधिक मात्रा त्वचा कैंसर, आँखों की बीमारियों और इम्यून सिस्टम पर प्रतिकूल असर डाल सकती है। जलवायु परिवर्तन: वायुमंडल में रासायनिक असंतुलन से स्थानीय और वैश्विक स्तर पर जलवायु में असामान्य परिवर्तन हो सकते हैं। पृथ्वी के अन्य पर्यावरणीय तंत्र: वायुमंडलीय परिवर्तन पौधों, जीव-जंतुओं और समुद्री जीवन को प्रभावित कर सकते हैं।

अंतरिक्ष मलबे की चुनौती

अंतरिक्ष मलबा (Space Debris) वर्तमान समय की सबसे गंभीर चुनौती है। अंतरिक्ष में यह मलबा इतने तेज़ी से घूमता है कि यह किसी भी सक्रिय उपग्रह या अंतरिक्ष यान के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में अंतरिक्ष में "कर्बलटाज़ प्रभाव" या Kessler Syndrome उत्पन्न हो सकता है। इस स्थिति में एक टकराव श्रृंखला शुरू हो सकती है, जिसमें मलबे की संख्या इतनी बढ़ जाएगी कि भविष्य में नए उपग्रह या अंतरिक्ष मिशनों के लिए कक्षा सुरक्षित नहीं रहेगी।

तकनीकी नवाचार की आवश्यकता

अंतरिक्ष प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए तकनीकी नवाचार अपरिहार्य हैं। कुछ मुख्य उपायों में शामिल हैं:

कचरा प्रबंधन प्रणाली: लियो और जीईओ कक्षाओं में मौजूद मलबे को हटाने के लिए रोबोटिक आर्म, चुंबकीय जाल और अन्य तकनीक विकसित की जा रही हैं।

स्वच्छ रॉकेट ईंधन: पारंपरिक रॉकेट ईंधन की जगह अब "ग्रीन प्रोपल्सन" और पर्यावरण-अनुकूल ईंधन का इस्तेमाल बढ़ रहा है। यह वायुमंडल को कम प्रदूषित करता है।

डिजिटल निगरानी और चेतावनी: सभी सक्रिय और निष्क्रिय उपग्रहों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के लिए सैटेलाइट ट्रैकिंग तकनीक का विकास हो रहा है। यह टकराव की संभावना को कम करने में मदद करता है।

अंतरिक्ष पुनर्चक्रण (Space Recycling): पुरानी और निष्क्रिय सैटेलाइटों को धरती पर वापस लाने या नए मिशनों के लिए पुन: उपयोग करने के तरीकों पर काम हो रहा है।

नियम और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की जरूरत

तकनीकी समाधान पर्याप्त नहीं हैं। अंतरिक्ष प्रदूषण को रोकने के लिए सख्त नियम और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। वर्तमान समय में अंतरिक्ष कानून (Outer Space Treaty, 1967) मौजूद हैं, लेकिन ये प्रदूषण और मलबे प्रबंधन पर पर्याप्त रूप से प्रभावी नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सभी अंतरिक्ष मिशनों के लिए सख्त प्रदूषण नियंत्रण और मलबा प्रबंधन दिशानिर्देश लागू किए जाने चाहिए।

पेयजल परियोजनाओं को समय से करें पूरा, विभिन्न नहर परियोजनाओं के विकास कार्यों में लाएं गति- भजनलाल शर्मा

-जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक,आमजन एवं किसानों को निर्बाध जलापूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में आमजन व किसानों तक जल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पेयजल एवं सिंचाई संबंधी परियोजनाओं एवं विकास कार्यों को कार्ययोजना के अनुरूप नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से पूर्ण करें। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जल संसाधन विभाग, सिंचित क्षेत्रीय विकास विभाग एवं इंदिरा गांधी नहर विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विगत दो बजट में आमजन व किसानों के लिए पेयजल एवं सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित करने के संबंध में महत्वपूर्ण सौगातें दी। उन्होंने इस संबंध में बजट घोषणाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा अधिकारियों को कार्यों में गति लाने के निर्देश प्रदान किए।

रामजल सेतु लिंक परियोजना के कार्यों में लाएं प्रगति-

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से प्रदेश की बड़ी आबादी को निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। इस परियोजना में चरणबद्ध रूप से होने वाले कार्यों को कार्ययोजना के अनुरूप पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य पेयजल विकास कार्यों की भी निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। शर्मा ने कहा कि सीकर, चूरू, झुंझुनूं को यमुना जल उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने इस संबंध में कार्ययोजना में प्रगति लाने के विशेष दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के विभिन्न विकास कार्यों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि गंगनहर निर्माण के दिसंबर माह में 100 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इस उपलक्ष्य में इस नहर के अधिक विकास के लिए कार्ययोजना बनाई जाए, जिससे इसका लाभ अधिक लोगों तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने बैठक में देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजना, अपर हाई लेवल कैनाल, राजस्थान वॉटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट, बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना, परवन वृहद बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना, कालीतीर लिफ्ट परियोजना, धौलपुर लिफ्ट सिंचाई एवं पेयजल परियोजना, पम्प भंडारण परियोजनाओं सहित विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं से जुड़ी वन एवं पर्यावरण से संबंधित स्वीकृति एवं अन्य जरूरी क्लीयरेंस के कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने विभिन्न लंबित बजटीय घोषणाओं से जुड़ी एनआईटी, टेंडर, वर्क ऑर्डर तथा डीपीआर बनाने संबंधी कार्यों को तीव्र गति से पूरा करने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित जल संसाधन विभाग तथा मुख्यमंत्री कार्यालय के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, प्रदेश में अब हर महीने लग रहे 10 हजार से अधिक रूफ टॉप सोलर

-एक लाख से अधिक हुई संयंत्रों की संख्या

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत प्रदेश में स्थापित रूफ टॉप सोलर संयंत्रों की संख्या बुधवार को एक लाख़ से अधिक हो गई है। इस योजना में अब तक जयपुर विद्त वितरण निगम में 33 हजार 922, अजमेर विद्त वितरण निगम में 32 हजार 957 तथा जोधपुर विद्त वितरण निगम में 33 हजार 378 रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। इस प्रकार राज्य में 1 लाख 257 रूफ टॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं जिनकी क्षमता 408 मेगावॉट है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश में सौर ऊर्जा को निरंतर बढावा मिला है। इसी का परिणाम है कि रूफ टॉप सोलर लगाने की गति भी तेजी से बढ़ी है।

672 करोड़ की सब्सिडी वितरित—

पीएम सूर्यघर योजना में अधिकतम 3 किलोवाट क्षमता का रूफ टॉप सौर संयंत्र लगाने पर अधिकतम 78 हजार रूपए की सब्सिडी प्रदान करने का प्रावधान है। राज्य में अब तक 86,307 उपभोक्ताओं को रूफ टॉप सोलर लगाने पर 672 करोड़ रूपए की सब्सिडी बैंक खाते में हस्तांतरित की जा चुकी है। जयपुर डिस्कॉम में 29,585, जोधपुर डिस्कॉम में 28,490 तथा अजमेर डिस्कॉम में 28,232 उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान की जा चुकी है।

देश में 5वां अग्रणी राज्य—

राजस्थान पीएम सूर्यघर योजना के तहत रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के मामले में गुजरात (6,73,554) महाराष्ट्र (3,33,966), उत्तर प्रदेश (2,73,871) तथा केरल (1,59,193) के बाद देश में 5वां अग्रणी राज्य है। विगत समय में प्रदेश में रूफ टॉप सोलर लगाने की ओर उपभोक्ताओं का रूझान तेजी से बढ़ा है। फरवरी, 2024 में जब यह योजना शुरू हुई थी उस माह प्रदेश में इस योजना में मात्र 37 रूफ टॉप सोलर लगाए गए थे। वहीं अब प्रति माह लगने वाले सोलर संयंत्र की संख्या 10 हजार से भी अधिक हो गई है।

इस साल लगे 77 हजार 254 संयंत्र—

उपभोक्ताओं का रुझान सौर ऊर्जा की और तेजी से बढ़ा है। इस वर्ष अब तक 77 हजार 254 रूफ टॉप सोलर लगाए जा चुके हैं। जनवरी में 4,170, फरवरी में 3,416 मार्च में 5,178, अप्रैल में 5,170, मई में 6,937, जून में 8,219 जुलाई में 10,386 अगस्त में 10,085 सितम्बर में 10,241 अक्टूबर में 9,329 तथा नवम्बर माह में अब तक 4,123 उपभोक्ताओं ने रूफ टॉप सोलर लगाए हैं।

पुलिस कर रही जागरूक, अब तक 3.37 लाख नागरिकों को यातायात नियम समझाए

-शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस सख्त, 5540 से अधिक लोगों के खिलाफ की कार्रवाई

-परिवहन विभाग की कार्रवाई – 350 के डीएल निरस्त, 718 वाहन सीज, 14000 से अधिक वाहनों के किए चालान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवस्था के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेशभर में 4 से 18 नवम्बर तक संचालित 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान सड़क सुरक्षा को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अभियान के दौरान सड़क अधोसंरचना को सुदृढ़ करने और वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश में सुरक्षित यात्रा की भावना को नई दिशा मिल रही है।

-पुलिस विभाग ने तेज गति से वाहन चलाने पर 36778 लोगों पर की कार्रवाई

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर राज्य में लगातार सख्त कार्रवाई हो रही है। सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत पुलिस विभाग ने 4 से 11 नवंबर तक शराब पीकर वाहन चलाने पर 5540, तेज गति से वाहन चलाने पर 36 हजार 778, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 26 हजार 160, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 2355, बिना रिफ्लेक्टर वाहन चलाने पर 7507 तथा बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने पर 14 हजार 154 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस दौरान 3 लाख 37 हजार 560 नागरिकों को यातायात नियमों एवं सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया गया है। प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों पर एनएच-48 मॉडल के अनुरूप लेन ड्राइविंग सिस्टम लागू करने के लिए पुलिस जाप्तों से प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही, लेन ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए पुलिस टीमें तैनात रहीं और नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

-परिवहन विभाग ने किए 14200 से अधिक वाहनों के चालान, 79 वाहनों के रजिस्ट्रेशन रद्द

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने राज्य में नियमों का उल्लंघन करने पर अब तक (11 नवंबर तक) कुल 14278 वाहनों के चालान किए हैं। इसमें मालवाहक वाहनों पर ओवरलोडिंग के 912, इन वाहनों में यात्री पाए जाने पर 322 तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 9469 मालवाहक वाहनों के चालान किए गए। यात्री वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री पाए जाने पर 170, छत पर सामान रख संचालन करने पर 34 बसों तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 1806 यात्री वाहनों का चालान किया गया है। परिवहन विभाग ने 350 व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त तथा 79 वाहनों के रजिस्ट्रेशन रद्द किए हैं। इस दौरान 718 वाहनों को सीज किया गया है तथा 37 वाहनों के परमिट भी कैंसिल किए गए हैं। साथ ही, विभाग द्वारा अन्य प्रकरणों में भी चालान किए गए हैं।

वंदे मातरम के जयघोष से गूंजा जिला परिषद सभागार

-जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने किया सामूहिक गायन, स्वदेशी अपनाने का लिया संकल्प

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला परिषद् जयपुर की साधारण सभा की बैठक बुधवार को जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा की अध्यक्षता में जिला परिषद् सभागार में आयोजित हुई। बैठक में बिजली, पानी, सड़क, रसद की व्यवस्था, पंचायत राज संस्थाओं को हस्तांतरित पांच विभागों के कार्य-कलाप, महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत पूरक कार्य योजना वर्ष 2025-26 के अनुमोदन तथा पट्टा पत्रावलियों के अनुमोदन जैसे विविध विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर वंदे मातरम की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 7 नवम्बर से 26 नवम्बर तक आयोजित वंदे मातरम कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत जिला प्रमुख, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रमुख चौपड़ा ने सभी को स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाया तथा कहा कि स्वदेशी भावना राष्ट्र के आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR) से संबंधित जानकारी पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से प्रदान की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीना ने जनप्रतिनिधियों को परिगणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। जनप्रतिनिधियों की एसआईआर से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु जिला परिषद परिसर में हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई, जहाँ उपस्थित प्रतिनिधियों के परिगणना प्रपत्र संबंधी प्रश्नों का तत्परता से समाधान किया गया। इस अवसर पर सांसद अमराराम (सीकर), विधायक शिखा मील बराला (चौमूं), उप जिला प्रमुख मोहन डागर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी

-राजस्थान के अध्यक्ष पद हेतु सत्यवीर सिंह (रिटायर्ड आईजी) ने मनोहरपुर में मांगा समर्थन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका) । डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, राजस्थान के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सत्यवीर सिंह (रिटायर्ड आईजी) ने आज मनोहरपुर में एक सभा आयोजित कर समर्थन मांगा। यह सभा इंदिरा कॉलोनी स्थित निःशुल्क पुस्तकालय में हुई, जहां सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। सत्यवीर सिंह ने कहा कि उनका उद्देश्य हर गांव और कस्बे में संपूर्ण सुविधायुक्त निःशुल्क पुस्तकालय स्थापित करना है, ताकि समाज के जरूरतमंद और प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके तथा रोजगार के नए रास्ते खुल सकें। इस अवसर पर चेतराम रामपुरिया (प्रत्याशी महासचिव), सूरज मल वर्मा (रिटायर्ड DGM, BSNL), पीएम बेरी (महासचिव, अजाक), और एडवोकेट (डॉ.) महेंद्र कुमार आनंद ने भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि "हम सबको मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जिससे हर व्यक्ति शिक्षित और प्रबुद्ध बन देश को ऊंचाइयों तक ले जा सके।" सामाजिक कार्यकर्ता मुरारी असवाल ने क्षेत्र की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया, वहीं अफसार खान ने सभी का स्वागत किया। ताराचंद बेनीवाल ने मतदाता सूची में दर्ज लोगों से घर-घर संपर्क कर समर्थन जुटाने की जिम्मेदारी ली। इस मौके पर पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया, अभिषेक बेनीवाल, जीतू बेनीवाल, रवि, पवन, कृष्ण बेनीवाल, राहुल ज्वाला, विक्रम शबाना, सौरभ असवाल सहित कस्बे के अनेक जिम्मेदार नागरिक मौजूद रहे।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-13 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जेके लोन, बांगड, गणेश मन्दिर तख्ताशाही रोड़, व सरावनी मेन्शन ढेहर के बालाजी स्टेशन के सामने व रोड नं. 17 वीकेआई, बड़ी चौपड़, रामगंज बाजार, रामगंज चौपड, सूरजपोल गेट, गलता गेट, दिल्ली बाईपास रोड, ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया, न्यू बस स्टेण्ड ट्रांसपोर्ट नगर, घाटगेट, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड, मिश्रा राजा जी का रास्ता, मान कायस्थ का चौक, चांदपोल बाजार तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 13 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जेके लोन, बांगड, गणेश मन्दिर तख्ताशाही रोड़, व सरावनी मेन्शन ढेहर के बालाजी स्टेशन के सामने व रोड नं. 17 वीकेआई, बड़ी चौपड़, रामगंज बाजार, रामगंज चौपड, सूरजपोल गेट, गलता गेट, दिल्ली बाईपास रोड, ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया, न्यू बस स्टेण्ड ट्रांसपोर्ट नगर, घाटगेट, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड, मिश्रा राजा जी का रास्ता, मान कायस्थ का चौक, चांदपोल बाजार अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 13 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर

- आक्षेपित आवेदनों में 14 नवम्बर तक करें आवश्यक सुधार एवं दस्तावेज पूर्ति

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राज्य सरकार की मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अंतर्गत सत्र 2025-26 के लिए प्रोफेशनल कोर्सेज एवं विभिन्न सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन 14 सितम्बर 2025 तक आमंत्रित किए गए थे। संयुक्त निदेशक बी.पी. चंदेल ने बताया कि जयपुर जिले में प्राप्त आवेदनों की जांच उपरांत कुछ आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जबकि कुछ अभ्यर्थियों के आवेदन दस्तावेजों की कमी या अपूर्णता के कारण आक्षेपित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे अपने आक्षेपित आवेदन पत्रों में आवश्यक सुधार अथवा दस्तावेजों की पूर्ति कर 14 नवम्बर 2025 से पूर्व आवेदन अग्रेषित करें। निर्धारित तिथि के पश्चात प्रस्तुत किए गए निस्तारण पर विचार नहीं किया जाएगा। वहीं, उपनिदेशक जितेन्द्र कुमार सेठी ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना वर्ष 2025-26 के तहत आपत्तियों के निस्तारण की पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2025 को बढ़ाकर अब 14 नवम्बर 2025 कर दिया गया है। अतः समस्त अभ्यर्थियों से आग्रह है कि वे अपने आवेदन पत्रों पर दर्ज आपत्तियों का निस्तारण निर्धारित तिथि तक पूर्ण कर विभाग को अग्रेषित करें, जिससे आगामी चयन प्रक्रिया में उनकी पात्रता सुनिश्चित की जा सके।

प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024

-आयोग ने जारी की फिजिक्स तथा सोशियोलॉजी विषय की विचारित सूची

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आरपीएससी ने प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत फिजिक्स तथा सोशियोलॉजी विषय के पदों हेतु विचारित सूचियां जारी की है। फिजिक्स विषय की सूची में 298 तथा सोशियोलॉजी विषय की सूची में 10 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच लिए अस्थाई रूप से सम्मिलित किया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि यह सूचियां चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है। यह चयन सूची अथवा वरीयता सूची नहीं है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची संबंधित विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन कराए जाने के पश्चात आयोग द्वारा जारी की जाएगी। उक्त विषयों की विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन-पत्र ऑनलाइन भरने होंगे। विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 18 से 24 नवंबर तक खोला जाएगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन तथा दस्तावेज सत्यापन के संबंध में आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना भी आवश्यक रूप से सुनिश्चित करनी होगी।

माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा की जाएगी विस्तृत आवेदन-पत्र व दस्तावेजों की जांच—

विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित किए गए सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से रिक्रूटमेंट पोर्टल पर माय रिक्रूटमेंट-डीटेल्ड फॉर्म कम स्क्रूटनी- अप्लाई नाउ का चयन कर अपना विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरें। विस्तृत आवेदन-पत्र व दस्तावेजों की जांच संबंधित विभाग (माध्यमिक शिक्षा विभाग) द्वारा ही की जायेगी। अतः ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने व सबमिट करने के उपरांत प्रिंट ऑप्शन पर जाकर सम्पूर्ण विस्तृत आवेदन पत्र को 2 प्रतियों में प्रिंट कर अपने पास संभाल कर रखें तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग की सूचना के अनुसार निर्धारित दिनांक, समय व स्थान पर विस्तृत आवेदन-पत्र (दो प्रतियों में) मय समस्त मूल दस्तावेजों व स्वयं सत्यापित प्रतियों सहित उपस्थित होवें। इस हेतु संबंधित विभाग द्वारा ही उचित माध्यम से अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन हेतु सूचित कराने की कार्यवाही संपादित की जायेगी एवं राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा अलग से कोई सूचना अभ्यर्थियों को प्रेषित नहीं की जायेगी। विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन हेतु निर्धारित तिथि को उपस्थित नहीं होने पर अभ्यर्थी को अपात्र मानते हुए परिणाम में विचारित नहीं किया जायेगा। संबंधित विभाग से दस्तावेज जांच/सत्यापन उपरांत, पात्र अभ्यर्थियों की सूची विभाग द्वारा आयोग को भेजी जाएगी, जिसके उपरांत आयोग द्वारा परिणाम जारी कर चयनित अभ्यर्थियों के नाम नियुक्ति हेतु संबंधित विभाग को अभिस्तावित किए जायेंगे। अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों व नियमों के अनुसार की जाएगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता रद्द कर दी जाएगी।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती पर ख़िराज-ए-अक़ीदत पेश

-शिक्षा ही सर्वांगीण विकास का मूल मंत्र है" -अग्रवाल

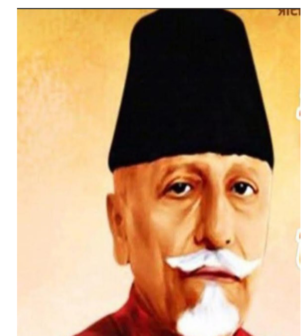

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। सुप्रीम गैस एजेंसी के प्रोपराइटर इंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि "शिक्षा ही सर्वांगीण विकास का मूल मंत्र है"! अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा दिवस भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल 11 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिन शिक्षा के महत्व को उजागर करने और देश में उनके अमूल्य योगदान को याद करने के लिए समर्पित है। किसके उपलक्ष्य में यह दिन मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्हें स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में जाना जाता है।

क्यों मनाया जाता है-

आज़ाद ने देश के शैक्षिक परिदृश्य की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके शिक्षा के प्रति योगदान को याद करने के लिए यह दिन मनाया जाता है।

कब मनाना शुरू हुआ-

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2008 में इस दिन को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में आधिकारिक तौर पर मनाने की घोषणा की थी। उल्लेखनीय है कि मुस्लिम समाज सहित कई लोगो ने सच्चाई और ईमानदारी को अपने जीवन का सिद्धांत बनाने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और भारत सरकार के पहले शिक्षामंत्री 'भारत रत्न' मौलाना अबुल कलाम आज़ाद साहब को उनकी यौमे पैदाइश पर नम आँखों से ख़िराज-ए-अक़ीदत पेश की।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाने के निर्देश

-जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया बीएलओ कार्यों का निरीक्षण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर काना राम ने बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर-2026) की प्रगति की समीक्षा का अभियान जारी रखते हुए गंगापुर सिटी और मलारना डूंगर में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ बैठक की। उन्होंने परिगणना प्रपत्र वितरण कार्य का स्थल निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण की गति तेज करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने न्यूनतम प्रगति वाले बीएलओ को चेतावनी देते हुए संबंधित ईआरओ को 17सीसीए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बीएलओ दो दिवस में शत-प्रतिशत परिगणना प्रपत्र वितरण सुनिश्चित करें तथा ऑनलाइन प्रगति पोर्टल पर अपडेट करें। इस क्रम में काना राम ने मंगलवार देर शाम भी बामनवास विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केन्द्रों का दौरा कर पंचायत समिति बामनवास में बीएलओ के साथ बैठक कर एसआईआर प्रक्रिया के कार्यों के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलक्टर ने कहा कि हर मतदाता को सही और अद्यतन जानकारी देना लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। बीएलओ घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्र भरवाएं, ताकि नाम जोड़ने, संशोधन करने और विलोपन की प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से पूर्ण हो सके। उन्होंने बीएलओ को मतदाता फॉर्म में सही विवरण भरवाने और रंगीन फोटो संलग्न करवाने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एसआईआर-2026 के तहत अब मतदाता ऑनलाइन भी परिगणना प्रपत्र भर सकते हैं। मतदाता https://voters.eci.gov.in/ पोर्टल पर Fill Enumeration Form (एसआईआर-2026)' पर क्लिक कर अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 6 लाख से अधिक परिगणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे 4 दिसंबर 2025 तक अपने भरे हुए परिगणना प्रपत्र, नवीनतम फोटो और आवश्यक विवरण बीएलओ को जमा कराकर सही एवं शुद्ध मतदाता सूची निर्माण में सहयोग दें।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम—2026 में प्रगति को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. यादव ने की ईआरओ के साथ समीक्षा बैठक

-जिले में 11 लाख परिगणना प्रपत्र वितरित, 10 लाख मतदाताओं का मैपिंग कार्य पूर्ण, नहीं देना होगा कोई भी दस्तावेज

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूचियों की शुद्धता और अद्यतन के लिए जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम—2026 चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बीएलओ घर—घर पहुंचकर परिगणना प्रपत्र वितरित और संग्रहित कर रहे है। इसके साथ ही, अब मतदाताओं के लिए ऑनलाइन परिगणना प्रपत्र भरने का विकल्प भी शुरू किया गया है। एसआईआर के तहत बुधवार तक जिले में 11 लाख मतदाताओं को परिगणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वितरित किए गए। एसआईआर का धरातल पर सुचारू रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष पुनरीक्षण अभियान—2026 के तहत जिले की पांचों विधानसभाओं के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला निर्वाचक अधिकारी ने परिगणना प्रपत्र के वितरण, परिगणना प्रपत्र के डिजिटलाइजेशन कार्य में प्रगति लाने तथा परिगणना प्रपत्र ऑनलाइन भरने के संबंध में आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ उप जिला निर्वाचन अधिकारी उम्मेदी लाल मीना, हनुमानगढ़ ईआरओ मांगीलाल, सभी विधानसभाओं के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में 14 लाख 47 हजार 472 मतदाता पंजीकृत है, जिनमें 40 वर्ष से अधिक आयु के 6,99,464 मतदाताओं में से लगभग 86% मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है, इसके साथ ही 40 वर्ष एवं इससे कम आयु के पंजीकृत 7,48,008 मतदाताओं में से लगभग 53% मतदाताओं की भी मैपिंग उनके परिवारजन के विवरण की सहायता से कर ली गई है, इस प्रकार जिले के लगभग 10 लाख (69%) मतदाता विगत विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से मैप हो गए है। इन्हें इस संपूर्ण प्रक्रिया में केवल परिगणना प्रपत्र में सूचनाओं को भरना है एवं किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं देना है।

मेघवाल समाज क्रिकेट प्रीमियर लिग

-रोहट (पाली) 2026 का ऑक्सन समारोह रोहट

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान कि सबसे बड़ी टूनामेंट का भव्य आयोजन जो ऑक्सन के द्वारा हुवा जो मेघवाल समाज कि सबसे बड़ी टूर्नामेंट रोहट का हुआ ऑक्सन जिसमें 10 टीमों ने भाग लिया किंग कोबरा 11 स्टार सिणगारी. रॉयल क्लब खाण्डी, रामदेव कलेक्शन रोहित, रामदेव मेडिकल क्लब सोनाई लाखा, भीम क्लब बाडाई, रॉयल केपी क्लब गोल्डन सिटी, सोलंकी फाइटर बिट्टू, अंबेडकर विकास समिति रोहट, रामदेव इलेक्ट्रीकल्स एंड हार्डवेयर रोहट, जिसमें 130 खिलाड़ी ऑक्सन के माध्यम से खरीदे गए जिससे जोधपुर जालोर बालोतरा उदयपुर पाली जिले के खिलाड़ी ने भाग लिया। जो हमारे बीच इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जोगाराम सोलंकी राष्ट्रीय महासचिव मेघवाल महासंघ एवं अशोक गिरी जी महाराज की अध्यक्षता में। राजेंद्र जी परमार पांचाराम जी मेघवाल (सर गाँव सरपंच) नाथू रवी कड़ेला K.R बागरेचा(एडवोकेट) बीडीओ शाहब दुर्गा राम जी भवारी कालू राम जी धारी N.R बौद्ध कालाराम बामनिया कई भामाशाह के सहयोग से संपन्न हुआ व संपन्न हुआ। कमेटी मेंबर किशोर बॉस राजू बामणिया दिनेश राणावत भीकाराम सोलंकी सुरेश बामणिया किशन पंवार प्रमोद सोलंकी श्रवण बामणिया उपस्थित रहे।

विभागीय योजनाओं की दी जानकारी

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शारदा बाल मंदिर सीनियर सैकण्डरी स्कुल,महिला पुलिस थाने के सामने राजेन्द्र नगर पाली में महिला विभाग के उपनिदेशक भागीरथ के निर्देशानुसार विभागीय योजनाओं कार्यक्रमों का आमुखीकरण के अन्तर्गत विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओं बेटी पढाओ योजना मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल, संवर्धन योजना की जानकारी जिला हब एम्पावरमेन्ट ऑफ वूमन से जेण्डर स्पेशलिस्ट राज़श्री ने दी। उन्होंने बताया की विभाग द्वारा संचालित निःशुल्क कम्प्यूटर बेसिक कोर्स प्रशिक्षण निःशुल्क फाईनेंशियल अकाउंटिंग प्रशिक्षणएवं निःशुल्क व्यक्तित्व विकास एवं इंग्लिश स्पीकिंग प्रशिक्षण एवं कौशल सामर्थ्य योजना का लाभ आप अपने नजदीकी ई-मित्र केन्द्र पर आवेदन कर सकते हैं। इसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के अंग्रेजी बोलने और संचार कौशल को बेहतर बनाना, आत्मविश्वास बढाना और कंप्यूटर आधारित कौशल प्रदान करना है। यह प्रशिक्षण पूरी तरह से निशुल्क है। इसके साथ इन्दबाला ने महिला हेल्पलाइन 181 नम्बर साझा करते हुऐ बताया कि कोई भी बालिका एवं महिला अपनी समस्या को 181 पर बता सकती है। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सुरेन्द्र कुमार जोशी व अध्यापिका धनवन्ती पालीवाल, रमेश सापेलाए वीरमदेव जोशी एवं बालिकाएं उपस्थित रही।

विश्व मधुमेह दिवस: जागरूकता ही सबसे बड़ी दवा- डॉ. सुमीत गर्ग

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। हर साल 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाता है इस दिन इंसुलिन के खोजकर्ता सर फ्रेडरिक बेंटिंग का जन्म हुआ था। यह दिन याद दिलाता है कि डायबिटीज डर की नहीं, बल्कि जागरुकता, अनुशासन और समय पर जांच की बीमारी है। डायबिटीज एक ऐसी अवस्था है जिसमें शरीर में इंसुलिन का उत्पादन कम हो जाता है या शरीर इंसुलिन का सही उपयोग नहीं कर पाता। इससे रक्त में शर्करा (ब्लड शुगर) का स्तर बढ़ जाता है, जो धीरे-धीरे आंखों, हृदय, किडनी, नर्वस सिस्टम और पैरों को प्रभावित करता है जिससे कि रेटिनोपैथी, नेफ्रोपैथी, न्यूरोपैथी, हार्ट अटैक और फुट अल्सर जैसी जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। आमतौर पर इसे "साइलेंट किलर" भी कहा जाता है क्योंकि इसके शुरुआती लक्षण अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं जैसे थकान, बार-बार पेशाब आना, प्यास ज्यादा लगना, घाव देर से भरना या अचानक वजन घटना। विश्व में लगभग 53.6 करोड़ (10.5%) वयस्क मधुमेह से पीड़ित हैं। 2045 तक यह संख्या 78.3 करोड़ (12.2%) तक पहुंचने का अनुमान है। विश्वभर में 25 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें पता नहीं कि उन्हें डायबिटीज है। भारत में लगभग 10.1 करोड़ वयस्क मधुमेह से ग्रस्त हैं- यानी लगभग हर दस में से एक व्यक्ति भारत में हर वर्ष डायबिटीज और उसकी जटिलताओं से 10 लाख से अधिक मौतें होती हैं। यह आँकडे बताते है कि मधुमेह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। स्वस्थ व्यक्ति में शुगर के लेवल भूखे पेट 70-99 mg/dl खाना खाने के 2 घंटे बाद 140 mg/dl से कम जबकि डायबटिक व्यक्ति में भूखे पेट 126 mg/dl से कम खाना खाने के 2 घंटे बाद 200 mg/dl से कम इसके अलावा तीन महीने का औसत जिसे कि HbAlc कहते है सामान्य व्यक्ति में 5.7% से कम व डायबटिक व्यक्ति में 6.5% से कम होना चाहिये। इसके अलावा यदि HbA1c 5.7-6.4% के बीच है तो यह "प्री-डायबिटीज की स्थिति है। "प्री-डायबिटीज वह स्थिति है जब ब्लड शुगर सामान्य से थोड़ी अधिक होती है, पर डायबिटीज की सीमा तक नहीं पहुँची होती। यह सही समय पर हस्तक्षेप करने का अवसर है यदि इस अवस्था में व्यक्ति व्यायाम, वजन नियंत्रण, संतुलित भोजन और तनाव-नियंत्रण अपनाता है, तो डायबिटीज को पूरी तरह रोका जा सकता है। कुछ महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान डायबिटीज होती है। यह स्थिति न केवल माँ बल्कि शिशु के स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकती है। इससे शिशु का वजन अधिक, सीजेरियन डिलीवरी, या भविष्य में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है। जेस्टेशनल डायबिटीज आमतौर पर प्रसव के बाद ठीक हो जाती है. लेकिन ऐसी महिलाओं में आगे चलकर डायबिटीज होने की संभावना अधिक रहती है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान ब्लड शुगर की नियमित जांच और चिकित्सकीय परामर्श बेहद आवश्यक है। कोरोना संक्रमण के बाद बहुत से लोगों में शुगर का स्तर बढ़ा देखा गया। इसके मुख्य कारण हैं: स्टेरॉयड दवाओं का उपयोग, वायरस का पैंक्रियास पर प्रभाव, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बदलाव कोविड के बाद डायबिटीज वाले मरीजों में दिल, किडनी, नसों और आंखों की जटिलताएँ तेजी से बढ़ी हैं। इसलिए पोस्ट-कोविड मरीजों को शुगर की निगरानी और जीवनशैली पर विशेष ध्यान देना चाहिए। डायबिटीज से बचाव व नियंत्रण हेतु हमे चाहिए कि संतुलित आहार ले (फाइबर, हरी सब्ज़ियाँ, साबुत अनाज, और प्रोटीन लें, मीठा व तला-भुना भोजन सीमित करें) नियमित व्यायाम करें (रोज़ाना कम से कम 30-45 मिनट तेज़ चलें या योग करें) तनाव नियंत्रण रखें (ध्यान, संगीत, और परिवार के साथ समय बिताना लाभकारी है) धूम्रपान व शराब से दूरी बनाए रखें यह शुगर नियंत्रण के साथ-साथ हृदय की सुरक्षा में भी मदद करता है। नियमित जांचें कराये (HbAlc, ब्लड शुगर, BP, कोलेस्ट्रॉल, किडनी फंक्शन और आंखों की जांच समय-समय पर कराएं) मधुमेह जीवन का अंत नहीं यह संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा है। अगर समय रहते सतर्क हो जाएँ, तो न सिर्फ डायबिटीज को रोका जा सकता है बल्कि इसके दुष्प्रभावों से भी बचा जा सकता है। इस विश्व मधुमेह दिवस पर आइए हम सब मिलकर संकल्प लें "मीठी ज़िंदगी जिएँ, पर बिना ज़्यादा शुगर के।"

फूलचंद यादव (साहब जी राम)को संयुक्त सचिव राजस्थान के पद पर मनोनीत किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विश्व यादव परिषद प्रदेश की कार्यकारिणी में विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव ने अपने कार्यकारिणी में हस्तेडा के 9 धोलीवाल लालपुरा के निवासी फूलचंद यादव (साहब जी राम) को जयपुर जिला उत्तर संयुक्त सचिव राजस्थान के पद पर मनोनीत किया। उत्तर संयुक्त सचिव पद नियुक्त होने पर विश्व यादव परिषद के पदाधिकारी तथा समाज के बंधुओ ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किये।

"सामाजिक,भावनात्मक एवं नैतिक शिक्षण" तीन दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सवाई माधोपुर के डीआरयू प्रभाग के तत्वावधान में "सामाजिक, भावनात्मक एवं नैतिक शिक्षण (सी लर्निंग)" पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह कार्यशाला 40 शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी और गहन सीखने की भावना से परिपूर्ण रही, जो जिले के सभी ब्लॉकों से आए थे। डीआरयू प्रभाग प्रभारी राजेश कुमार गर्ग के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को सी लर्निंग के सिद्धांतों, दृष्टिकोण और व्यवहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था, ताकि वे अपने विद्यालयों में छात्रों के सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक विकास को सशक्त बना सकें। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को सी लर्निंग के फ्रेमवर्क, उसके तीन डोमेन आत्म-जागरूकता, सामाजिक जागरूकता और प्रणालियों की जागरूकता की गहन समझ प्रदान की गई। कार्यशाला के संचालन में संदर्भ व्यक्ति (एमटी) रामहेत मीणा और पीरामल फाउंडेशन जयपुर के वरिष्ठ कार्यक्रम लीडर मोहम्मद खुलूस खान ने विशेष भूमिका निभाई। दोनों प्रशिक्षकों ने न केवल सत्रों को इंटरएक्टिव और अनुभवात्मक बनाया, बल्कि शिक्षकों को यह भी समझाया कि केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक ऐसा दृष्टिकोण है जो विद्यालयों में करुणा, संवेदनशीलता और आत्म-जागरूकता की संस्कृति को स्थापित करता है। सत्रों के दौरान प्रतिभागियों ने कई गतिविधियों में भाग लिया जैसे; 'खुशियों का पिटारा', 'रेज़िलिएंस ज़ोन', 'ग्रैटिट्यूड बॉक्स' और 'इमोशन व्हील', जिनके माध्यम से उन्होंने आत्म-प्रतिबिंब, सहानुभूति और नैतिक निर्णय लेने की क्षमता का अभ्यास किया। इन गतिविधियों ने शिक्षकों को यह समझने में मदद की कि कैसे दैनिक विद्यालयीन जीवन में छात्रों की भावनात्मक ज़रूरतों को समझा और संबोधित किया जा सकता है। प्रतिभागियों ने साझा किया कि यह कार्यशाला उनके लिए स्वयं को जानने, अपने अनुभवों को समझने और एक करुणामय शिक्षक के रूप में विकसित होने का अवसर रही। कई शिक्षकों ने यह भी कहा कि इस प्रशिक्षण ने उन्हें विद्यालय में बच्चों के साथ अधिक सकारात्मक और संवेदनशील संबंध बनाने की दिशा में प्रेरित किया है। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे सी लर्निंग के सिद्धांतों को अपने-अपने विद्यालयों में लागू करेंगे, ताकि शिक्षा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न रहकर भावनात्मक सशक्तिकरण और नैतिक आचरण की दिशा में परिवर्तनकारी भूमिका निभा सके।

शराब के नशे में टैंकर चला रहा चालक गिरफ्तार

-पुलिस ने आधा किलोमीटर पीछा कर पकड़ा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं में शराब के नशे में टैंकर चला रहे ड्राइवर को गिरफ्तार किया। ड्राइवर ने पुलिस के रुकने के इशारे को नजरअंदाज कर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने करीब आधा किलोमीटर पीछा कर उसे पकड़ लिया। थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम हाड़ौता चौराहे के पास नेशनल हाईवे-52 पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक टैंकर तेज गति से आते हुए दिखाई दिया। जब पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, तो चालक ने वाहन नहीं रोका और भागने लगा। जांच में चालक की पहचान शाहपुरा निवासी पूरण-मीणा के रूप में हुई। मौके पर की गई मेडिकल जांच में उसके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर टैंकर को मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) की धाराओं के तहत जब्त कर लिया।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण: सामाजिक-आर्थिक नीतियों के लिए जुटाए जा रहे आंकड़े

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं से संबंधित सटीक जानकारी एकत्र करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर सर्वेक्षण कार्य किया जाता है। इसी कड़ी में वर्तमान में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (NSS) के 80वें दौर के अंतर्गत जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य जनवरी, 2025 से दिसंबर, 2025 तक का किया जा रहा है। यह कार्य आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान सरकार के अधीन जिला सांख्यिकी कार्यालय के कार्मिकों द्वारा संपादित किया जा रहा है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हो रहा सर्वे कार्य-

इस सर्वे के अंतर्गत जिले के चयनित गांवों और नगरीय खंडों में घर-घर जाकर आवश्यक आंकड़े जुटाए जा रहे हैं। परिवारों, व्यवसायों और विभिन्न सामाजिक इकाइयों से संबंधित सूचनाएं एकत्र कर रहे हैं, जिससे भारत सरकार की भविष्य की योजनाओं और नीतियों को जनहित में और प्रभावी बनाया जा सके।

आपकी जानकारी रहेगी पूरी तरह गोपनीय-

जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव ने बताया है कि सर्वेक्षण के दौरान ली गई सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाती हैं। किसी भी व्यक्ति या संस्था की निजी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। इन सूचनाओं का उपयोग केवल सरकारी योजनाओं को जन-आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर बनाने और नीतियों को सुदृढ़ करने के लिए किया जाता है।

सर्वे दल को दें सही और सटीक जानकारी-

जिला कलक्टर डॉ. यादव ने जिलेवासियों से अपील की है कि जब सांख्यिकी कार्यालय के कार्मिक सर्वे कार्य हेतु आपके पास आए, तो उन्हें सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का सहयोग राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण और विकास कार्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जनप्रतिनिधियों और संस्थाओं से की अपील-

डॉ. यादव ने जिले के सभी सरपंचों, पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, वेलफेयर सोसाइटीज और उद्यमी संस्थाओं से भी आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (NSS) के महत्व के बारे में जागरूक करें और सर्वे टीमों को पूरा सहयोग दें।

जेडीए ने चौमूँ क्षेत्र में सड़को के नवीनीकरण हेतु 4.38 करोड़ रुपए किए स्वीकृत

-पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने जताया मुख्यमंत्री और यूडीएच मंत्री का आभार

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । विधानसभा क्षेत्र चौमूँ में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा पीडब्ल्यूसी की मीटिंग में सड़को के नवीनीकरण कार्यों के लिए 4 करोड़ 38 लाख रुपयो की स्वीकृति जारी की गई है। सड़को की स्वीकृति पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी और स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा जी का आभार जताया है। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत सड़को में मोरीजा स्टैंड से चीथवाड़ी, मोरीजा स्टैंड से भोजलावा, जैतपुरा से चिमनपुरा और सीकर रोड से झाररों की ढाणी आ ई टी आ ई वाली रोड (जैतपुरा) तक की सड़क के लिए कुल 4 करोड़ 38 लाख रुपयों की वित्तीय एवं प्र शा स नि क स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि जेडीए द्वारा पीडब्ल्यूसी की मीटिंग में क्षेत्र की चार सड़कों के नवीनीकरण के लिए राशि स्वीकृत की गई है, उक्त सड़को के निर्माण से ग्रामवासियों को सुविधा मिलेगी।

विनोद कुमार यादव को उत्तर संयुक्त सचिव विधानसभा चौमूं राजस्थान के पद पर मनोनीत किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विश्व यादव परिषद प्रदेश की कार्यकारिणी में विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव ने अपने कार्यकारिणी में हस्तेडा के विजयनगर के निवासी विनोद कुमार यादव को उत्तर संयुक्त सचिव विधानसभा चौमूं राजस्थान के पद पर मनोनीत किया। उत्तर संयुक्त सचिव विधानसभा चौमूं पद नियुक्त होने पर विश्व यादव परिषद के पदाधिकारी तथा समाज के बंधुओं ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किये।

एयरपोर्ट, मेटल, रोड और डेटा सेंटर...

ताबड़तोड़ आईपीओ लाने की तैयारी में अडानी, शेयरधारकों की होगी चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के दूसरे बड़े रईस गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप देश का तीसरा बड़ा औद्योगिक घराना है। इसकी फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज अपनी कई सहायक कंपनियों को शेयर बाजार में लिस्ट करने की तैयारी कर रहा है। इसमें एयरपोर्ट, मेटल, रोड और डेटा सेंटर जैसे बिजनेस शामिल हैं। यह लिस्टिंग 2027 से 2031 के बीच होने की उम्मीद है।

ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अगले तीन साल में कंपनी के कई बड़े प्रोजेक्ट तैयार हो जाएंगे जिससे नई लिस्टिंग का रास्ता साफ होगा। इससे पहले ग्रुप ने 2016 से 2020 के बीच अडानी टोटल गैस, अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी विल्मर जैसी कंपनियों को लिस्ट कराया था। एक सूत्र ने बताया कि 2027-28 तक एयरपोर्ट बिजनेस की कमाई अभी के मुकाबले

तीन गुना हो जाएगी। इसी तरह कॉपर और अन्य मेटल बिजनेस भी पूरी तरह लिस्टिंग के लिए तैयार होंगे।

गंगा एक्सप्रेसवे

इसी दौरान गंगा एक्सप्रेसवे और सात अन्य रोड प्रोजेक्ट भी पूरे होने की उम्मीद है। अडानी एंटरप्राइजेज ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अडानी ग्रुप देश में एयरपोर्ट चलाने वाला सबसे बड़ा प्राइवेट ऑपरेटर है। उनके पास आठ एयरपोर्ट हैं। यह बिजनेस अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के तहत आता है, जिसके पास मुंबई, लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, गुवाहाटी, तिरुवनंतपुरम और मंगलुरु में सात चालू एयरपोर्ट हैं।

सितंबर तिमाही में एयरपोर्ट बिजनेस की कमाई 1,062 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की तुलना में 43 प्रतिशत ज्यादा है। अडानी ग्रुप ने मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ और गुवाहाटी के एयरपोर्ट पर 114 एकड़ में सिटी-साइड डेवलपमेंट का पहला चरण शुरू कर दिया है। कंपनी का ध्यान नॉन-एयरो बिजनेस पर है, जो कंपनी की कमाई और मुनाफे में बड़ा योगदान दे रहा है।

लिस्टिंग का दूसरा दौर

मेटल बिजनेस में अडानी एंटरप्राइजेज अगले कुछ साल में वेदांता के बाद दूसरा सबसे बड़ा पोर्टफोलियो बनाने का लक्ष्य रख रहा है। अडानी रोड्स ट्रांसपोर्ट ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 930 करोड़ रुपये दर्ज किया। इस बिजनेस ने अपना सातवां प्रोजेक्ट चालू कर दिया है और सात अन्य पर काम चल रहा है। अडानी एंटरप्राइजेज में लिस्टिंग का यह दूसरा दौर पहले दौर की तरह ही बड़ा साबित होने की उम्मीद है। इससे आने वाले दशक में शेयरधारकों को काफी फायदा होने की संभावना है।

अनिल अग्रवाल ने लाल धातु को बताया नया युग, कहा-भारत बन सकता है ग्लोबल लीडर

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय कॉपर (तांबा) की चर्चा कुछ ज्यादा होने लगी है। कई एक्सपर्ट ने कॉपर को भविष्य की धातु बताया है। यानी यह रिटर्न के मामले में सोना और चांदी को पीछे छोड़ सकती है। वहीं अब वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने भी कॉपर को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने लाल धातु यानी कॉपर को नया युग बताया है। अनिल अग्रवाल ने कॉपर को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। उन्होंने एक्स पर लिखा है, तांबे का इंसानी सभ्यता की तरक्की और प्राचीन भारत से बहुत गहरा नाता रहा है। करीब 6000 साल पहले दुनिया की पहली महान सभ्यताओं में से एक सिंधु घाटी सभ्यता कॉपर एज (तांबे के युग) में ही फली-फूली। यह वह सभ्यता थी जब हमने पहली बार इस लाल धातु का इस्तेमाल करना सीखा। मुझे विश्वास है कि हम अब एक नए कॉपर युग में प्रवेश कर रहे हैं।

शक्ति पंप्स का वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में लगातार तेज़ रफ्तार से बढ़ता प्रदर्शन

इंदौर, एजेंसी। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (एसपीआईएल) ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। लंबे मानसून और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों जैसी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने अपने इतिहास की सबसे अधिक तिमाही आय में से एक हासिल की। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में कुल आय 666.4 करोड़ रुपये दर्ज की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 5% ज्यादा है। पहली छमाही में कंपनी की कुल आय 1288.9 करोड़ रुपये रही, जिसमें 7.2% की वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई। इस तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए 136 करोड़ रुपये रहा, जबकि मार्जिन 20.4% पर रहा। कॉपर, स्टील और सोलर पैनल की कीमतों में 3% से 4% बढ़ोतरी का असर मुनाफे पर पड़ा। कर पश्चात लाभ दूसरी तिमाही में 90.7 करोड़ रुपये और पहली छमाही में 187.5 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के सोलर पंप इंस्टॉलेशन का प्रदर्शन मजबूत रहा। दूसरी तिमाही में 22,304 यूनिट और पहली छमाही में 39,861 यूनिट लगाए गए, जो क्रमश: 21% और 19% की वृद्धि दर्शाते हैं। हालांकि यह संख्या और अधिक हो सकती थी, लेकिन प्रमुख बाज़ारों में लंबी चली बारिश और जीएसटी 2.0 ढांचे में बदलाव की प्रक्रिया के कारण कार्यान्वयन की रफ्तार कुछ धीमी रही। निर्यात कारोबार ने भी अपनी रफ्तार बनाए रखी। दूसरी तिमाही में 102.9 करोड़ रुपये और पहली छमाही में 200 करोड़ रुपये की आय दर्ज की गई। हाइती, युगांडा, बांग्लादेश, नेपाल, मध्य पूर्व और अमेरिका जैसे बाज़ारों से लगातार मांग ने इस वृद्धि को सहारा दिया। उभरते कारोबारी क्षेत्रों का प्रदर्शन भी सकारात्मक रहा। नकद बिक्री साल-दर-साल 67% बढ़कर 42.8 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जिसका सहारा देशभर में मौजूद 100 से अधिक एक्सक्लूसिव आउटलेट्स ने दिया। सोलर रूफटॉप सेगमेंट ने राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विस्तार किया, जहां शुरुआती प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही। 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को मिलने वाली राशि 1,639 करोड़ रुपये रही, जिनमें से 44% रकम की अदायगी की तारीख अभी नहीं आई थी। अनुमान है कि मानसून के बाद इंस्टॉलेशन की गति बढ़ने से साल के अंत तक भुगतान चक्र सामान्य हो जाएगा।

जॉनसन बेबी ने नई ब्रांडिंग, अपग्रेडेड फॉर्मूलेशन और टिकाऊ पैकेजिंग का किया अनावरण

बेबी के लिए बेहतर, मां के लिए बेहतर और प्लानेट के लिए बेहतर

मुंबई, एजेंसी। पालन-पोषण की दुनिया काफी विकसित हो गई है। आज के माता-पिता अपने नन्हे-मुन्नों के लिए अधिक जानकारी और सोच-समझकर चुनाव करते हैं। व्यस्त जीवन के बीच, नहलाना और मालिश जैसे रोजमर्रा के पल आज भी एक-दूसरे के साथ जुड़ाव के लिए यादगार होते हैं। इस जुड़ाव के पलों को और मजबूत बनाने के लिए, दुनिया के नंबर 1 बेबी देखभाल ब्रांड, जॉनसन बेबी ने नए जमाने के माता-पिता की उभरती

जरूरतों को पूरा करने और बेबी की नाजुक त्वचा और बालों की सुरक्षा के लिए डिज़ाइन किए गए उन्नत त्वचा-विज्ञान आधारित फ़ॉर्मूलेशन और नई टिकाऊ पैकेजिंग के साथ अपनी रेंज को अपग्रेड किया है।

अनमोल चीज़ों की रक्षा करें के अपने वादे को निभाते हुए, जॉनसन0 बेबी ने अनिल और सोनम कपूर के साथ अपने इट्स प्योर लव कैंपेन का भी अनावरण किया, जो बॉन्डिंग के इन अनमोल क्षणों का जश्न मनाता है। 130 से अधिक वर्षों से, 'जॉनसन बेबी' बेबी के लिए सर्वोत्तम उत्पादों का अग्रणी रहा है, जो बेबी त्वचा विज्ञान की गहरी समझ पर आधारित हैं। एक और कदम आगे बढ़ाते हुए, जॉनसन बेबी ने बदलते मौसम में बेबी की त्वचा की बेहतर सुरक्षा के लिए उद्योग में पहली बार तैयार किए गए फ़ॉर्मूले के साथ अपनी पूरी रेंज को उन्नत किया है। हर उत्पाद को बेबी की नाज़ुक त्वचा, बालों और आंखों की प्राकृतिक कोमलता और जॉनसन की प्यारी खुशबू की रक्षा के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है।

सिम्बायोसिस नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट 2025 का रजिस्ट्रेशन 20 नवंबर को बंद हो रहा है

नईदिल्ली, एजेंसी। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) ने सिम्बायोसिस नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट 2025 का रजिस्ट्रेशन विंडो 20 नवम्बर 2025 को बंद करने की घोषणा की है। यह एमबीए के उम्मीदवारों के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है। पांच दशकों की अकादमिक उत्कृष्टता के साथ सिम्बायोसिस उन छात्रों के लिए टॉप चॉइस है जो विश्व स्तर पर प्रासंगिक, उद्योग जगत के अनुरूप और अकादमिक रूप से दृ? प्रबन्धन शिक्षा पाना चाहते हैं। आवेदन के लिए अंतिम दिनांक को और आगे नहीं ब?ाया जाएगा। इसलिए उम्मीदवारों को अंतिम दिनांक से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए। कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) का आयोजन तीन तारीखों पर होगा, यानि उम्मीदवार तीन बार तक परीक्षा दे सकते हैं। इनमें से प्रवेश प्रक्रिया के लिए सर्वश्रेष्ठ स्कोर को वैद्य माना जाएगा।

वोडाफोन आइडिया के शेयर 3 महीने में 63 प्रतिशत चढ़ गए शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में मंगलवार को जबरदस्त तेजी आई है। टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के शेयर मंगलवार को बीएसई में करीब 6 पर्सेंट के उछाल के साथ 10.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी का घाटा पहले से कम हुआ है, इसी के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयरों में यह तेज उछाल आया है। वोडाफोन आइडिया के शेयर पिछले 3 महीने में 63 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 10.57 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 6.12 रुपये है। पहले से कम हुआ कंपनी का घाटा टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 5524.2 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड घाटा हुआ है। पिछले साल की समान अवधि में वोडाफोन आइडिया को 7175.9 करोड़ रुपये का लॉस हुआ था। तिमाही आधार पर भी टेलिकॉम कंपनी का घाटा कम हुआ है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वोडाफोन आइडिया को 6611.1 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 2.4 पर्सेंट बढ़ा है। जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही में वोडाफोन आइडिया का रेवेन्यू 11,194.7 करोड़ रुपये रहा है वोडाफोन आइडिया का एवरेज रेवेन्यू प्रति यूजर सितंबर 2025 तिमाही में बढ़कर 180 रुपये पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में हर यूजर का औसत रेवेन्यू 166 रुपये था।

जेके टायर ने एम्बेडेड स्मार्ट टायरों के साथ भारत में स्मार्ट मोबिलिटी क्रांति की शुरुआत की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में पहली बार, टायर तकनीक और नवाचार में अग्रणी, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आज यात्री वाहन (पीवी) खंड के लिए भारत के पहले एम्बेडेड स्मार्ट टायरों के लॉन्च के साथ एक बड़ी प्रगति की घोषणा की। यह ऐतिहासिक नवाचार ड्राइविंग के भविष्य को नई परिभाषा देता है और बुद्धिमान, कनेक्टेड और टिकाऊ मोबिलिटी में एक नया उद्योग मानक स्थापित करता है।

जेके टायर के मध्य प्रदेश स्थित अत्याधुनिक बानमोर संयंत्र में निर्मित और आंतरिक रूप से डिज़ाइन किए गए, अगली पीढ़ी के स्मार्ट टायरों में टायर की संरचना में उन्नत सेंसर लगे हैं। यह अग्रणी तकनीक वायु दाब, तापमान और संभावित वायु रिसाव सहित महत्वपूर्ण मापदंडों की निरंतर निगरानी करती है, जिससे वास्तविक समय में कार्रवाई योग्य जानकारी मिलती है जो वाहन की सुरक्षा, प्रदर्शन और दक्षता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है।

यह विकास जेके टायर की आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, और घरेलू तकनीकी प्रगति में इसके नेतृत्व को और मज़बूत करता है। सुरक्षा के अलावा, एम्बेडेड स्मार्ट टायरों को लंबे ट्रेड लाइफ, बेहतर ईंधन दक्षता और कम पर्यावरणीय प्रभाव के लिए डिज़ाइन किया गया है। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ. रघुपति सिंघानिया ने कहा, हमारे एम्बेडेड स्मार्ट टायर्स का लॉन्च जेके टायर की नवाचार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हमारी मज़बूत अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) और विनिर्माण क्षमताओं के साथ, यह उपलब्धि तकनीक-संचालित मोबिलिटी को आगे बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रदर्शन के मूल में बुद्धिमत्ता को एकीकृत करके, हम भारत में ड्राइविंग के तरीके को बदल रहे हैं, मोबिलिटी को और अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और टिकाऊ बना रहे हैं। यह विकास तकनीकी उत्कृष्टता पर जेके टायर के अटूट ध्यान और कनेक्टेड मोबिलिटी के भविष्य का नेतृत्व करने के हमारे दृष्टिकोण का प्रमाण है। एम्बेडेड स्मार्ट टायर जेके टायर की डीलरशिप के माध्यम से आफ्टरमार्केट में उपलब्ध होंगे, शुरुआत में 14 से 17 इंच के आकार में।

जेके टायर की नवाचार यात्रा इसकी अग्रणी 'स्मार्ट टायर' तकनीक द्वारा दर्शाई गई है, जो उद्योग में पहला समाधान है जो टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) को क्लाउड-आधारित एनालिटिक्स के साथ जोड़ता है, जिसे पहली बार 2019 में ट्रील सेंसर के माध्यम से पेश किया गया था।

सोनालीका ने अक्टूबर 2025 में 27,028 ट्रैक्टरों की कुल सर्वाधिक मासिक बिक्री के साथ रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अक्टूबर 2025 में 27,028 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। ट्रैक्टर पर जीएसटी कटौती के बाद यह कंपनी के लिए सबसे बड़ा महीना है। इस शानदार प्रदर्शन द्वारा सोनालीका ने प्रमुख ट्रैक्टर ब्रांडों में 34.8% की सबसे अधिक कुल वृद्धि हासिल की जो कि कुल उद्योग प्रदर्शन से 2.3% ज्यादा है (अनुमानित)। कंपनी ने इस महीने में सर्वाधिक 2.2 प्रतिशत अंक (अनुमानित) बाज़ार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी भी दर्ज की है जो इसके किसान-केंद्रित दृष्टिकोण, इनोवेशन और मज़बूत टीमवर्क को दर्शाता है।

सोनालीका लगातार यह सुनिश्चित करता है कि हमारे किसानों की खेतों में हर ज़रूरतें पूरी हों। इस

महीने कंपनी ने कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं – सर्वाधिक डिलीवरी, बिलिंग और विश्व नंबर 1 ट्रैक्टर प्लांट में अब तक का सर्वाधिक उत्पादन। यह सफलता कुशल योजना, जुनून और अपनी सामूहिक ताकत में विश्वास के ज़रिए संभव हुई है। यह केवल तकनीकी उपलब्धि से कहीं ज़्यादा है, जो नई उपलब्धि इस बात को दर्शाती है कि कंपनी खेतों को ऊर्जा देने वाले हाथों के साथ कितनी गहराई से जुड़ी है जो दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत की सच्ची प्रतीक है।

अपने विचार साझा करते हुए, रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, ट्रैक्टर पर जीएसटी में कमी के बाद अक्टूबर 2025 सबसे सफ़ल महीना रहा और हमने 27,028 ट्रैक्टरों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री के साथ अपनी अविश्वसनीय यात्रा में एक शानदार नया अध्याय लिखा है। ट्रैक्टर उद्योग में 34.8% की सर्वाधिक कुल वृद्धि हासिल करते हुए, हमने उद्योग के प्रदर्शन को 2.3% से पीछे छोड़ दिया (अनुमानित) है और 2.2 प्रतिशत अंक की सर्वाधिक बाज़ार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी (अनुमानित) हासिल की है।

लॉर्ड्स मार्क ने अमेरिका को भेजा पहला 1 मिलियन डॉलर का मेडटेक शिपमेंट

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे विविध कारोबारी समूहों में से एक, लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अमेरिका को 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के अपने पहले मेडटेक (मेडिकल टेक्नोलॉजी) ऑर्डर की सफल डिलीवरी की घोषणा की है। यह ऑर्डर लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड के माध्यम से पूरा किया गया है। यह उपलब्धि कंपनी के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और एडवांस्ड हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी के एक्सपोर्टर्स में भारत की बढ़ती भूमिका को और सशक्त बनाती है।

इस शिपमेंट में कॉन्टैक्टलेस रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग और ए-आधारित अर्ली वार्निंग सिस्टम जैसी अगली पीढ़ी की हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी शामिल हैं, जिन्हें पूरी तरह भारत में डिज़ाइन, विकसित और निर्मित किया गया है। ये सिस्टम रियल टाइम मरीजों की निगरानी, पूर्वानुमान विश्लेषण , और इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड इंटीग्रेशन को जोड़ती हैं जिससे डेटा-आधारित सक्रिय क्लीनिकल केयर संभव हो सके।

लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर सच्चिदानंद उपाध्याय ने कहा, यह उपलब्धि उच्च गुणवत्ता वाले मेडटेक इनोवेशन के केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को और सशक्त करती है। हमारा पहला अमेरिकी शिपमेंट केवल एक निर्यात नहीं है – यह भारत के मेडटेक नेतृत्व की वैश्विक पहचान की शुरुआत है। हम ऐसी विश्वस्तरीय स्वास्थ्य तकनीकें विकसित कर रहे हैं जो दुनिया के सबसे कठिन मानकों को पूरा करती हैं, जिससे लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड एक वैश्विक शक्ति और भारतीय इनोवेशन अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक विश्वसनीय मानक के रूप में स्थापित हो रहा है।

लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड अपनी प्रमुख सहायक कंपनियों – लॉर्ड्समेड, लॉर्ड्स मार्क बायोटेक प्रा. लि. और लॉर्ड्स मार्क माइक्रोबायोटेक प्रा. लि. – के माध्यम से कार्यरत है। इनोवेशन और उत्कृष्टता के प्रति समर्पित यह कंपनी उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए निरंतर विस्तार कर रही है। विविधता लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ की सतत वृद्धि और सफलता की आधारशिला बनी हुई है।

1998 में स्थापित लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (लॉर्ड्स) ने स्वास्थ्य सेवा और डायग्नोस्टिक्स सेक्टर में एक गतिशील शक्ति के रूप में उभरकर मजबूत पहचान बनाई है।

आरवीएनएल को मिला 1444451878.04 रुपये का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे सेक्टर की सरकारी कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को फोकस में रहेंगे। इसके पीछे की दो बड़ी वजहें हैं। कंपनी अपने तिमाही नतीजों का ऐलान आज करेगी। जिसपर सभी की निगाह टिकी हुई है। इससे पहले सोमवार को कंपनी को एक बड़ा प्रोजेक्ट मिला था। रेल विकास निगम लिमिटेड की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है कि उन्हें साउथ सेंट्रल रेलवे की तरफ से 144445 1878.04 रुपये का काम मिला है। इस काम पूरा करने के लिए रेल विकास निगम लिमिटेड को 18 महीने का समय मिला है। सरकारी रेलवे कंपनी का रेवेन्यू 4.1 प्रतिशत की गिरावट के बाद 3908 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, इस दौरान कंपनी का सालाना आधार पर 71 प्रतिशत की गिरावट के बाद 52 करोड़ रुपये रहा था। बीता एक साल रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों की स्थिति अच्छी नहीं रही है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में बीते एक साल में 7.66 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं, 1 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 29 प्रतिशत तक लुढ़क चुका है। सोमवार को रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर बीएसई में 0.66 प्रतिशत की गिरावट के बाद 315.95 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे। रेल विकास निगम लिमिटेड का 52 वीक हाई 501.55 रुपये और 52 वीक लो लेवल 295.25 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 65,876.21 करोड़ रुपये का है।

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने सर्जरी के भविष्य को दिया आयाम

दुनिया की पहली टेलीसर्जन कोंसोल एसएसआईआई मंत्रासन लॉन्च

भोपाल, एजेंसी। आधुनिक सर्जिकल रोबोटिक टेक्नोलॉजी के डेवलपर एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल जो रोबोटिक सर्जरी को दुनिया में किफ़ायती एवं सुलभ बनाने के लिए प्रयासरत है ने एक बार फिर से इनोवेशन की सीमाओं को पार करते हुए दुनिया के पहले टेलीसर्जन कोंसोल एसएसआईआई मंत्रासन का अनावरण किया है।

मंत्रासन, दुनिया का पहला पूरी तरह से इंटीग्रेटेड, अर्गोनॉमिक एवं पोर्टेबल टेलीसर्जरी कोंसोल है जो रिमोट प्रेसीज़न के साथ रोबोटिक्स क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव है। यह दर्शाता है कि किस तरह सर्जिकल विशेषज्ञता को किसी भी विशेष सर्जन के ऑफिस से टेलीसर्जन कोंसोल के छोटे डिज़ाइन तक विस्तारित किया जा सकता है जिससे टेलीसर्जरी करने के लिए पूरे ऑपरेटिंग रूम को सर्जन कोंसोल से जोड़ने की ज़रूरत नहीं रहती। रोबोटिक टेक्नोलॉजी का यह इनोवेशन सर्जिकल केयर में महत्वपूर्ण है जिसके द्वारा

विशेषज्ञ सर्जन कॉम्पैक्ट, सेल्फ-कंटेन्ड रोबोटिक सिस्टम के ज़रिए रिमोट से संचालन कर सकते हैं। खास बात यह है कि इसे भारत में डिज़ाइन एवं निर्मित किया गया है।

कार्यक्रम में मेडिकल एवं सर्जिकल क्षेत्र से जाने-माने विशेषज्ञ डॉ सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक एवं चेयरमैन, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल; डॉ सुधीर रावल, मेडिकल डायरेक्टर, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रीसर्च सेंटर; डॉ विश्वा श्रीवास्तव, सीईओ, एपीएसी, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल; डॉ ललित मलिक, चीफ़ कार्डियक सर्जन, जयपुर मणिपाल हॉस्पिटल; डॉ सोमशेखर, एसपी, चेयरमैन, मेडिकल अडवाइज़री बोर्ड, एस्टर डीएम हेल्थकेयर, जीसीसी एंड इंडिया और डॉ वेंकटेश मुनिकृष्णन, कन्सलटेंट कोलोरेक्टल एंड रोबोटिक सर्जन, अपोलो हॉस्पिटल्स आदि मौजूद रहे। लॉन्च के मौके पर डॉ सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक एवं चेयरमैन, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने बताया कि, ''टेली सर्जन कोंसोल के साथ हमने आधुनिक सर्जिकल केयर को सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मंत्रासन, टीएसएसी के माध्यम से हम दर्शा रहे हैं कि कैसे भारतीय इनोवेशन सर्जन की विशेषज्ञता को दुनिया के किसी भी कोने में पहुंचा कर हेल्थकेयर डिलीवरी में बदलाव लाया जा सकता है। कोंसोल का साइज़ छोटा होने के कारण सर्जन अपने ऑफिस से ही टेलीसर्जरी को अंजाम दे सकते हैं। तो अब टेलीसर्जरी करने के लिए ऑपरेटिंग रूम या पूरे मंत्रा सिस्टम की ज़रूरत नहीं होगी।

दुनिया के सबसे तेज़ धावक नोआ लाइल्स और महान महिला धावक शेली-एन फ्रेज़र-प्राइस ने बढ़ाया

पुणे, एजेंसी। भारत की सबसे लोकप्रिय सिटी रन में से एक बजाज पुणे मैराथन अपने छठे संस्करण के साथ 14 दिसंबर को लौट रही है। इस बार आयोजन और भी बड़ा, प्रेरक और समावेशी होगा। यह पहल हजारों धावकों को एक मंच पर लाती है – अंतरराष्ट्रीय एथलीटों से लेकर फिटनेस प्रेमियों और कॉर्पोरेट लीडर्स तक – सभी एक ही विश्वास के साथ– यू टू केन फ्लाई यानी आप भी उड़ान भर सकते हैं। इस भावना का नेतृत्व कर रहे हैं दुनिया के दो सबसे मशहूर एथलीट – जमैका की स्प्रिंट लीजेंड शेली-एन फ्रेज़र-प्राइस, जो 17 विश्व चैम्पियनशिप और 8 ओलंपिक पदकों के साथ अब तक की सबसे सफल 100 मीटर धाविका हैं, और अमेरिका के नोआ लाइल्स, मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैम्पियन, जिन्हें आज दुनिया का सबसे तेज़ आदमी कहा जाता है। दोनों खिलाड़ी इस मैराथन के एम्बेसडर के रूप में खेल की उत्कृष्टता, मेहनत और प्रेरणा की भावना को साकार करते हैं। 2018 में शुरू हुई बजाज पुणे मैराथन अब आकार और महत्व—दोनों में कहीं आगे बढ़ चुकी है। यह शुरू में 21.1 किमी की हाफ मैराथन थी, लेकिन इस बार इसे बढ़ाकर 42.2 किमी की फुल मैराथन बनाया गया है। इसमें कई श्रेणियाँ शामिल हैं – फुल मैराथन (42.2 किमी), हाफ मैराथन (21.1 किमी), 10 किमी और 5 किमी टाइम्ड रेस – ताकि हर आयु और क्षमता के लोग इसमें भाग ले सकें। बजाज फिनसर्व लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव बजाज ने कहा, हमारा विज़न है हर भारतीय के सपनों को उड़ान देना। 'यू टू केन फ्लाई' इस सोच का प्रतीक है कि संभावनाओं की कोई सीमा नहीं। इस वर्ष की मैराथन में नोआ लाइल्स और शेली-ऐन फ्रेज़र-प्राइस का साथ इस बात का उत्सव है कि हम सिर्फ फिटनेस और सहनशक्ति ही नहीं, बल्कि भारत की ऊँचाइयों को छूने की सामूहिक भावना का भी जश्न मना रहे हैं।

दूसरों से लड़ना नहीं, अपने लिए खड़ा होना असली नारीवाद

यामी गौतम

हिंदी सिनेमा में सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्मों का बोलबाला है। इस बीच अभिनेता इमरान हाशमी और अभिनेत्री यामी गौतम ऐसी ही एक फिल्म हक लेकर आए हैं, जो शाहबानो केस पर आधारित है।

फिल्म के प्रमोशन के दौरान यामी गौतम ने नारीवाद और महिलाओं के अधिकारों पर अपने विचार साझा किए। यामी गौतम ने फिल्म में शाजिया बानो का रोल निभाया है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि आज के समय में नारीवाद के कई मायने हैं, और हर तरह के नारीवाद से वह पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका मानना है कि नारीवाद का असली मतलब दूसरों से लड़ना नहीं, बल्कि अपने और अपने परिवार के लिए खड़ा होना है। फिल्म के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा, अगर आपके पास एक ऐसी कहानी कहने का साहस है जो वास्तव में एक साहसी महिला, सशक्त महिला, या नारीवादी महिला से प्रेरित है, तो मुझे लगता है कि वह नारीवाद का एक सच्चा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज के समय में नारीवाद के कई अलग-अलग रूप सामने आए हैं, और कुछ उनके अनुसार सही नहीं हैं। यामी ने कहा, सही नारीवाद दूसरों से लड़ने या किसी को नीचा दिखाने के बारे में नहीं है। इसके बजाय यह अपने अधिकारों के लिए खड़ा होने, अपने बच्चों के लिए लड़ने और जो सही है, उसके लिए आवाज उठाने के बारे में है। यह अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना और सही बात के लिए लड़ना है। यही मेरा दृष्टिकोण है। फिल्म हक की बात करें तो, इसकी कहानी शाजिया बानो के नाम की महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका पति (इमरान हाशमी) एक नामी वकील है। वह दूसरी शादी करता है और शाजिया को तीन तलाक देकर छोड़ देता है। वह गुजारा भत्ता देने से भी मना करता है। ऐसे में शाजिया कोर्ट का दरवाजा खटखटाती है। इस दौरान उसे कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। समाज उसके खिलाफ हो जाता है, और हुक्का पानी बंद कर दिया जाता है। इस लड़ाई में आखिर शाजिया को उसका हक मिलता है या नहीं, इसका जवाब फिल्म देखने पर मिलेगा।

जाह्नवी कपूर ने तेलुगू स्पीच से इम्प्रेस की जनता

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने हाल ही में अपनी तेलुगु स्पीच से सभी को प्रभावित कर दिया। हाल ही में हैदराबाद में हुए एआर रहमान के कॉन्सर्ट में अपनी हालिया रिलीज़ फिल्म पेड्डी के प्रमोशन को पहुंची जाह्नवी कपूर ने अपनी तेलुगु भाषा से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस दौरान उनके साथ उनके को-स्टार राम चरण के साथ उनकी फिल्म के निर्देशक बुच्ची बाबू सना भी साथ थें। गौरतलब है कि जहां रहमान के संगीत ने शाम को जादुई बना दिया था, वहीं जाह्नवी ने अपनी तेलुगु स्पीच से उस जगमगाती रात को और रोशन कर दिया। मंच पर अपने दर्शकों के सामने मौजूद जान्हवी कपूर ने जैसे ही तेलुगु में बोलना शुरू किया, वैसे ही सारा माहौल उनके दर्शकों की तालियों से गूँज उठा।

गुम है किसी के प्यार में' फेम कपल नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा के रिश्ते में आई खटास

अनबन की असली वजह?

गुम है किसी के प्यार में के कपल नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा, जिनके बारे में पहले खबरें थीं कि उनकी शादी में कुछ समस्याएँ हैं और उनके अलग रहने की भी अटकलें थीं, अब कथित तौर पर तलाक की ओर बढ़ रहे हैं। बिग बॉस 17 में अपने प्यार के लिए मशहूर होने के कारण टीवी के पावर कपल नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा को शो में बुलाया गया था लेकिन शो के दौरान दोनों का अलग ही रूप देखा गया। नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा को शो के दौरान काफी ज्यादा झगड़ा करते देखा गया। कई बार वह एक दूसरे के साथ काफी ज्यादा बत्तमीजी से पेश आते भी देखा गया। दोनों के झगड़ों के बाद सलमान खान ने भी उन्हें एक-दूसरे का सम्मान करने की नसीहत दी थी। शो में इसके बाद भी दोनों के बीच लड़ाईयां देखी गयी।

गुंडों से भिड़ती नजर आईं नीलम

मनमोहनी बन जीता फैंस का दिल

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री नीलम गिरी जल्द ही अपनी नई फिल्म मनमोहनी के साथ बड़े पर्दे पर दिखने वाली हैं। फिल्म का ट्रेलर सोमवार को रिलीज किया गया। ट्रेलर में नीलम गिरी का दमदार और तेज-तर्रार अंदाज देखने को मिल रहा है।

फिल्म में उनके साथ अभिनेता सतेंद्र सिंह भी हैं, जिनके साथ वह रोमांस करती दिख रही हैं। ट्रेलर में नीलम गिरी मोहनी नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो मजबूत और साहसी होती है। वह परिवार और अपनों के लिए किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहती है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि

मोहनी पिता मुरली प्रसाद के साथ रहती हैं। मुरली प्रसाद एक मूर्तिकार हैं और लोग उनकी मूर्तियों को खरीदने के लिए मोटी रकम देने को तैयार रहते हैं। पिता के लिए अपनी पत्नी की मूर्ति बेहद खास होती है। वह उसे कभी नहीं बेचना चाहता। बावजूद इसके लोग उस मूर्ति को खरीदने के लिए आते हैं और बेचने का दबाव बनाते हैं। इसके बाद के सीन में दिखाया जाता है कि मोहनी के पिता की तबीयत बिगड़ जाती है और डॉक्टर इलाज के लिए पांच लाख रुपए मांगते हैं। मोहनी पैसे जुटाने के लिए हर संभव प्रयास करती है और अपने सम्मान के लिए कठिन फैसले लेने को तैयार होती है। लेकिन पिता की मौत और उसकी वजह से आई मुश्किलें मोहनी के जीवन में भूचाल ला देती हैं। ट्रेलर के कई इमोशनल सीन्स को बखूबी तरीके से दिखाया गया है।

नीलम गिरी को हाल ही में बिग बॉस 19 में देखा गया था, जहां वह पिछले वीकेंड का वार में एविक्ट हो गई। फिनाले से महज चार हफ्ते पहले ही उनका सफर खत्म हो गया। शो से बाहर आने के बाद उनकी फिल्म मनमोहनी का ट्रेलर रिलीज हुआ, जो उनके फैंस के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है। मनमोहनी फिल्म का निर्माण रवींद्र सिंह ने किया है। इसे राज कुमार ने डायरेक्ट किया है। कहानी सभा वर्मा ने लिखी है और म्यूजिक रितेश ठाकुर ने दिया है। इसके गानों के बोल सोनू श्रीवास्तव ने लिखे हैं।

जटाधारा बॉक्स ऑफिस पर अपनी जीत की राह पर लगातार आगे बढ़ रही

ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोरा की फिल्म जटाधारा बॉक्स ऑफिस पर अपनी जीत की राह पर लगातार आगे बढ़ रही है! वीकेंड पर शानदार प्रदर्शन के बाद, फिल्म ने सोमवार को भी बेहतरीन स्थिरता दिखाई। फिल्म ने पहले दिन रू.1.47 करोड़ (ग्रॉस), दूसरे दिन रू.2.91 करोड़ (ग्रॉस), तीसरे दिन रू.4.62 करोड़ (ग्रॉस) और चौथे दिन रू.5.10 करोड़ (ग्रॉस) की कमाई की। यह स्थिर ग्रोथ इस बात का संकेत है कि दर्शकों के बीच फिल्म की पकड़ लगातार मजबूत हो रही है, और दर्शकों की पॉजिटिव फीडबैक ने इसे एक ठोस सफलता का दर्जा दिलाया है। कड़ी प्रतिस्पर्धा और कई फिल्मों की रिलीज़ के बावजूद, जटाधारा ने सकारात्मक शुरुआत की और रिलीज़

के बाद से निरंतर मजबूत होती गई। फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण इसका रोमांचक क्लाइमेक्स है, जिसमें सुधीर बाबू का जोशीला 'शिव तांडव' दर्शकों को गहराई से प्रभावित कर रहा है। दिव्यता से भरा माहौल, भावनाओं का उतार-चढ़ाव और आध्यात्मिकता का स्पर्श - इन सबने मिलकर फिल्म को दर्शकों के दिल के करीब पहुंचा दिया है, जिससे यह प्रतिस्पर्धी मार्केट में भी मजबूती से खड़ी है। तेलुगु क्षेत्रों में जहां छोटे बजट की फिल्में अच्छे आंकड़े लाकर 'मॉडरेट सक्सेस' कहलाती हैं, जटाधारा ने पहले ही यह उपलब्धि हासिल कर ली है। फिल्म का लगातार बढ़ता प्रदर्शन और सकारात्मक रिसेप्शन इसे साउथ में सफल बना रहा है, वहीं हिंदी वर्ज़न की कमाई भी फिल्म के स्केल और अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए उत्साहजनक मानी जा रही है। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोरा द्वारा प्रस्तुत यह द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर दिव्या खोसला के स्पेशल अपीयरेंस के साथ सोनाक्षी सिन्हा, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला और सुभलेखा सुधाकर जैसे कलाकारों से सजी है। जटाधारा का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोरा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। फिल्म के सह-निर्माता अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोरा हैं, जबकि दिव्या विजय क्रिएटिव प्रोड्यूसर और भाविनी गोस्वामी सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर हैं।

बोनी कपूर ने बताये अपनी जिन्दगी के अहम पल

बोनी कपूर हिंदी सिनेमा के जाने-माने फिल्म प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने वो सात दिन और मिस्टर इंडिया जैसी फिल्मों का निर्माण किया है, लेकिन इस मुकाम तक पहुंच पाना उनके लिए आसान नहीं था। जब बोनी कपूर के पिता सुरिंदर मुंबई आए थे, तब परिवार को राज कपूर के गैराज में रहना पड़ता था। हालांकि परिस्थितियां धीरे-धीरे बदलने लगीं। उनके पिता ने हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनाई, लेकिन बाद में उन्हें दिल की बीमारी हो गई। ऐसे में बोनी कपूर ने परिवार की जिम्मेदारी संभालने का फैसला किया।बोनी कपूर का बचपन बेहद गरीबी में बीता। बोनी कपूर के पिता सुरिंदर कपूर का जन्म पेशावर में हुआ था। पृथ्वीराज कपूर और

फिल्म फ्लॉप होने पर करोड़ों के कर्ज में डूबे

फिल्म फ्लॉप होने पर करोड़ों के कर्ज में डूबे

सुरिंदर चचेरे भाई थे। पृथ्वीराज करियर बनाने के लिए पेशावर से मुंबई आए थे और फिर उन्होंने मेहनत के बल पर अपना एक अलग मुकाम हासिल किया था। जब पृथ्वीराज खुद मुंबई में सैटल हो गए तो उन्होंने फिर भाई सुरिंदर को भी मुंबई बुला लिया। यहां सुरिंदर कपूर, पृथ्वीराज के गैराज में परिवार के साथ रहा करते थे। शुरुआत में गीता बाली के असिस्टेंट बनकर काम किया। इसके बाद उन्होंने फिल्म प्रोडक्शन में कदम रखा। सुरिंदर के तीन बेटे बोनी कपूर (प्रोड्यूसर), अनिल कपूर (एक्टर) और संजय कपूर (एक्टर) हैं।

कृष्णा अभिषेक के बारे में सुनीता आहूजा की बातें सुन आरती सिंह हुईं गदगद

सुनीता आहूजा ने पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में आरती सिंह और कृष्णा अभिषेक के बारे में जो कुछ कहा, उस पर अब गोविंदा की भांजी ने रिएक्ट किया है क्या कुछ कहा, जानिए। कृष्णा अभिषेक और आरती सिंह की मामी सुनीता आहूजा से सालों तक चली कोल्ड वॉर अब खत्म हो गई है। पारस छाबड़ा के एक लेटेस्ट पॉडकास्ट में गोविंदा की पत्नी ने खुद को भांजे-भांजी की मां जैसा कहा है। और बोलीं कि अब झगड़ने की उम्र नहीं। वह दोनों उनके बच्चे हैं और वह उनको आशीर्वाद देती है। अब कॉमेडियन की बहन ने मामी की बातों पर रिएक्ट किया है।

दरअसल, सुनीता आहूजा ने आरती सिंह और कृष्णा अभिषेक संग झगड़े पर कहा था, मेरा अभी कोई बच्चे से कुछ खराब नहीं है। ये दोनों मेरे बच्चे हैं। मुझे दोनों ही प्यारे हैं। बहुत हो गया। अब नहीं उम्र है ये सब लड़ाई झगड़ा करना ये सब। तो मेरे दोनों बच्चे हैं। आरती को तो मैंने नहीं पाला था। हां लेकिन मैंने अपनी सास को बोला था जब पैदा हुई कि मैं इसको पालूं तो मेरी मदर-इन-लॉ बोलीं कि तुम्हारे और भी बच्चे होंगे। तो गीता भाभी हैं, उनको दे दिया था। और कृष्णा तो मेरे पास ही पला बढ़ा है। हां, कृष्णा, विनय, डंपी जो मेरे जेठ का बेटा है वो। तो अभी मेरे लिए सब...। अभी मैं सब भूल गई हूं ये सब चीज। अब मैं चाहती हूं सब बच्चे हंसते खेलते रहें। खुश रहें।

अमाल मलिक और तान्या मित्तल में

घमासान

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 में कभी दोस्त रहे तान्या मित्तल और अमाल मलिक के बीच अब अच्छे रिश्ते नहीं रहे। पिछले कुछ हफ्तों में उनके बीच कई बार झड़प और बहस हो चुकी हैं। अब आने वाले एपिसोड में हम देखेंगे कि तान्या अपना आपा खो देंगी और अमाल मलिक पर पलटवार करेंगी।

तान्या, अमाल को सीधे-सीधे कह रही हैं कि वे घर में अमाल की दादागिरी नहीं सहेंगी। इस हफ्ते घर के कैप्टन अमाल बने हैं और उन्होंने कैप्टन रूप बनाया कि सब लोग एक साथ टेबल पर खाना खाएंगे। अमाल यह ऐलान करते हुए दिखाई दे रहे हैं कि सभी घरवाले एक साथ टेबल पर खाना खाएंगे। उन्होंने तान्या से भी कहा कि वे अभी खाना खा लें नहीं तो उन्हें बाद में खाना नहीं मिलेगा। तान्या इस पर आपत्ति जताती हैं, जिसके बाद अमाल उनसे कहते हैं कि अगर वह नहीं मानीं तो उन्हें खाना नहीं मिलेगा। इससे तान्या भड़क जाती हैं और कहती हैं कि वह अमाल की दादागिरी और अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगी। प्रोमो की शुरुआत अमालमलिक द्वारा यह कहते हुए की जाती है कि सभी घरवाले डाइनिंगटेबल पर एक साथ खाना खाएंगे। वह कहते हैं कि यह कैप्टन का नया रूल है। हालांकि, तान्या इस पर आपत्ति जताते हुए कहती हैं कि वह सबके साथ खाना नहीं चाहतीं। जवाब में, अमाल कहते हैं,मत खाओ फिर, जिससे एक गरमागरम बहस छिड़ जाती है। तान्या अपना आपा खो देती हैं, और कहती हैं, बेइज्जत होने नहीं आई हूं कि बिग बॉस में कि एक बार खाने के लिए तेरी इतनी दादागिरी सहूं। अमाल जवाब देते हैं, तुम नहीं मानोगे तो तुम्हें भी नहीं मिलेगा।

(साभार एजेंसी)

इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी करेंगे टी20 डेब्यू, इस दिन खेलेंगे पहला मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने पहली बार बिहार की तरफ से खेलते हुए टी20 में डेब्यू किया था. उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ अपना पहला मैच खेला, जिसमें 13 रन बनाए थे. उसके बाद उन्होंने ढ्ढक्क 2025 में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ डेब्यू किया था. जिसमें उन्होंने 20 गेंदों में 34 रन बनाए थे. अब वो नीली जर्सी में डेब्यू करते दिखेंगे. वैभव सूर्यवंशी पहली बार भारत की किसी टीम के लिए टी20 खेलते नजर आएंगे. राइजिंग स्टार्स एशिया कप में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू देखने को मिल सकता है.

राइजिंग स्टार्स एशिया कप 14 नवंबर से शुरू हो रहा है. इस टूर्नामेंट के लिए इंडिया ए की टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है. यह पहला मौका होगा जब वैभव नीली जर्सी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. उनकी स्किल्स और प्रदर्शन को देखते हुए, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं को उनसे काफी उम्मीदें हैं. नीली जर्सी में वैभव सूर्यवंशी का टी20 डेब्यू राइजिंग स्टार्स एशिया कप के पहले मुकाबले में ही दिख सकता है. क्योंकि इस टूर्नामेंट का पहला मैच भारत और यूएई के बीच खेला जाएगा. यानी वैभव 14 नवंबर को ही अपना पहला मैच नीली जर्सी में खेल सकते हैं. सूर्यवंशी ने इससे पहले भारत की अंडर 19 टीम के लिए वनडे मुकाबले खेले हैं. लेकिन कभी भी ञ्20 नहीं खेला. ऐसे में ये पहली ही बार होगा जब वैभव भारत के लिए नीली जर्सी में खेलते दिखेंगे.

वैभव सूर्यवंशी का टी20 करियर

वैभव सूर्यवंशी ने अब तक कुल 8 टी20 मुकाबले खेले हैं. जिसमें उन्होंने 207.03 की शानदार स्ट्राइक रेट से 265 रन बनाए और उनके नाम 1 शतक और 1 अर्धशतक भी शामिल है. वैभव ने बिहार के लिए टी20 डेब्यू पर केवल 13 रन बना पाए थे. वहीं आईपीएल डेब्यू पर 34 रन बनाए थे. अब ये देखना है कि वैभव इंडिया ए के लिए डेब्यू करते समय कितना बड़ा स्कोर कर पाते हैं.

नेशनल कार्टिंग में रच दिया 9 साल की अर्शी ने इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। बित्ते भर की लड़की और कारनामे बड़े-बड़े, ये कहावत फरीदाबाद की 9 साल की अर्शी गुप्ता पर पूरी तरह फिट बैठती है, जिन्होंने इस छोटी सी उम्र में रिकॉर्डतोड़ कारनामा कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी गुप्ता महज 9 साल की उम्र में नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप खिताब जीतने वाली भारत की पहली महिला रेसर बन गई हैं। फरीदाबाद निवासी अर्शी ने यह कारनामा महज लड़कियों के खिलाफ नहीं किया बल्कि उन्होंने लड़के-लड़कियों, दोनों की मौजूदगी वाली माइक्रो मैक्स क्लास कैटगरी में खिताब जीतने का इतिहास रचा है।

कार्टिंग करते हुए महज दूसरा साल: फरीदाबाद में 18 अक्तूबर, 2016 को जन्मी अर्शी दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी को कार्टिंग के कॉम्पिटेटिव सर्किट में रेस करते हुए यह महज दूसरा साल हुआ है। उन्होंने साल 2024 में कार्टिंग की शुरुआत की थी। वे लीपफ्रॉग रेसिंग के तहत रेस करती हैं। उन्होंने अगस्त, 2025 में भी उस समय सभी को चौंका दिया था, जब मद्रास इंटरनेशनल कार्टिंग एरिना में अर्शी ने राउंड 3 जीता था। इसके अलावा वे कोयंबटूर में भी जीत हासिल कर चुकी हैं।

21 साल के कार्टिंग इतिहास में सबसे युवा विजेता: अर्शी नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप जीतने वाली इंडियन रोटेक्स सीरीज के 21 साल के इतिहास में पहली लड़की बन गई हैं।

साथ ही वे खिताब जीतने वाली सबसे युवा विजेता भी बनी हैं। फाइनल राउंड में अर्शी ने 8 से 12 साल आयु वर्ग वाली माइक्रो मैक्स क्लास में प्री-फाइनल और फाइनल रेस, दोनों में फतेह हासिल की है। वह प्री-फाइनल जीतकर मिड-ग्रिड से एडवांस में आई और इसके बाद फाइनल में अपनी पोल पोजीशन को खिताबी जीत में तब्दील कर दिया।

साइक्लिंग में दिखा था कार्टिंग का हुनर: अर्शी के पिता को उसकी साइक्लिंग से जुड़ी गतिविधियों के दौरान कार्टिंग करने लायक पैशन दिखाई दिया। इसेक बाद वे उसे गुरुग्राम के लोकल ट्रैक पर रोहित खन्ना से कोचिंग दिलाने ले गए। अर्शी के पिता अंचित गुप्ता के मुताबिक, वह पहले दिन से कार्टिंग को प्यार करती थी और हर वीकएंड वहां चलने के लिए जोर देती थी। यदि मैं किसी सप्ताह चूक जाता था तो अगले सप्ताह उसकी भरपाई करनी पड़ती थी। अर्शी 5 महीने के लिए यूएई और 10 सप्ताह के लिए ब्रिटेन में भी कड़ी ट्रेनिंग से गुजर चुकी है।

रिकॉर्ड बुक में खिताब जीतने से पहले ही लिखवाया नाम

अर्शी ने नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप जीतने से पहले ही रिकॉर्ड बुक में नाम लिखव लिया था। वह नेशनल कार्टिंग लाइसेंस हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला रेसर है। सितंबर, 2025 में उन्होंने एशिया पैसेफिक मोटरस्पोर्ट्स चैंपिनशिप में टीम इंडिया की तरफ से भाग लिया था। श्रीलंका में आयोजित इस चैंपियनशिप में अर्शी ने कार्टिंग स्प्रिंट इवेंट की मिनी कैटेगरी में चौथा स्थान हासिल किया था।

57 साल, 43 मुकाबलों का इंतजार
जम्मू कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी में पहली बार दिल्ली को हराकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025 के चौथे मुकाबले में जम्मू कश्मीर की टीम ने दिल्ली को हराकर इतिहास रच दिया है। 57 साल के इंतजार के बाद जम्मू कश्मीर ने दिल्ली को इस टूर्नामेंट में मात दी है। दिल्ली के अरुण जेठली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पारस डोगरा की कप्तानी वाली जम्मू कश्मीर की टीम ने 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पारस डोगरा और कामरान इकबाल की शतकीय पारियों ने इसमें अहम भूमिका निभाई।

42 मैचों के बाद खत्म हुआ इंतजार: इस मैच से पहले तक दिल्ली ने जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में कुल 42 मैचों में से 37 में जीत दर्ज की थी और चार मैच ड्रॉ हुए थे। जबकि एक मुकाबला बेनतीजा था। यानी 42 मैचों के इंतजार के बाद अब 43वें मुकाबले में जम्मू कश्मीर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए पहली बार दिल्ली को रणजी ट्रॉफी मैच में मात दी है। टीम को सभी खिलाड़ियों के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से जीत मिली।

इस मैच की बात करें तो जम्मू कश्मीर की तरफ से पहली पारी में कप्तान पारस डोगरा ने 106 रन की शतकीय पारी खेली थी। उसके बाद दूसरी पारी में 179 रन का लक्ष्य चेज करते हुए ओपनर कामरान इकबाल ने 147 गेंदों पर नाबाद 133 रन बना दिए। टीम ने सिर्फ तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। अंत में कामरान के साथ कप्तान पारस डोगरा भी 10 रन बनाकर नाबाद थे।

इस मैच की बात करें तो पहले खेलते हुए दिल्ली की टीम सिर्फ 211 रन पर ही सिमट गई थी। आकिब नबी ने 5 विकेट अपने नाम किए थे। उसके बाद जम्मू कश्मीर ने अपनी पहली पारी में पारस डोगरा के शतक की बदौलत 310 रन बनाए थे और 99 रन की बढ़त ली थी। फिर दूसरी पारी में दिल्ली की टीम 277 रन ही बना पाई और वंशज शर्मा ने जम्मू कश्मीर के लिए 6 विकेट लिए। फिर 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू कश्मीर ने कामरान के शतक की बदौलत आसानी से मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया।

शमी को टीम से बाहर रखने का कोई कारण नहीं, वो अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक : सौरव गांगुली

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को लेकर बड़ा बयान दिया है। गांगुली का मानना है कि शमी अब भी भारत के सबसे फिट और प्रभावी गेंदबाज़ों में से एक हैं, और उन्हें टीम से बाहर रखने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि शमी लगातार रणजी ट्रॉफी में शानदार गेंदबाज़ी कर रहे हैं और भारत की तीनों फॉर्मेट की टीम में वापसी के हकदार हैं।

शमी वही हैं, जैसे पहले थे : गांगुली

कोलकाता में आयोजित एक इवेंट के दौरान सौरव गांगुली ने कहा, मोहम्मद शमी बहुत अच्छे फॉर्म में हैं। अगर आपने रणजी ट्रॉफी देखी हो तो वे अकेले दम पर बंगाल के मैच जिता रहे हैं। फिटनेस और स्किल के मामले में वे बिल्कुल वही शमी हैं, जिन्हें हम हमेशा जानते हैं। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि वे भारत के लिए टेस्ट, वनडे या टी20 क्यों नहीं खेल सकते। गांगुली ने यह भी कहा कि उन्हें यकीन है चयनकर्ता शमी के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं और दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है।

फिटनेस को लेकर उठे सवाल और सेलेक्टर्स का बयान

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज़ से शमी को बाहर रखा गया था। उस वक्त मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने बताया था कि शमी को फिटनेस कारणों से चयन नहीं किया गया। हालांकि, गांगुली इस दावे से सहमत नहीं दिखे। उन्होंने कहा कि अगर कोई गेंदबाज़ 90 ओवर से ज़्यादा गेंद फेंक सकता है और लगातार लंबे स्पेल डाल रहा है, तो उसकी फिटनेस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता।

रणजी ट्रॉफी में शमी का दमदार प्रदर्शन: बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए मोहम्मद शमी ने इस सीज़न में शानदार प्रदर्शन किया है।

एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप:
भारत का शानदार प्रदर्शन, रिकर्व पुरुष और कंपाउंड महिला टीमें फाइनल में

ढाका, एजेंसी। एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में सोमवार को भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय पुरुष रिकर्व और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने फाइनल में जगह बना ली है। अतनु दास, यशदीप संजय भोगे और राहुल की दूसरी वरीयता प्राप्त पुरुष रिकर्व टीम ने कजाकिस्तान को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अब फाइनल में भारत के सामने साउथ कोरिया होगा, जो सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान को 6-2 से शिकस्त देकर यहां तक पहुंचा है। भारत की पुरुष तिकड़ी ने तुर्कमेनिस्तान पर 6-2 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को 6-0 से शिकस्त दी। 25 वर्षीय संजय भोगे ने क्वालीफिकेशन राउंड में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ क्वालीफिकेशन स्कोर 687 अंक हासिल किया। इस दौरान नौ ङ्10 शामिल थे। उन्होंने इससे पहले एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पदक बैंकॉक में 2019 एशिया कप में मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता था।

अनुभवी तीरंदाज अतनु 668 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे, जबकि 666 अंकों के साथ राहुल ने 11वां स्थान हासिल किया। दूसरी ओर, ज्योति सुरेखा वेन्नम, पृथिका प्रदीप और दीपशिखा की महिला तिकड़ी ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 234-227 से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां उनका सामना साउथ कोरिया से होगा, जिसने ईरान को 237-227 से मात दी है। शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में वियतनाम पर 235-225 से जीत दर्ज की थी। इसके बाद सेमीफाइनल में मेजबान बांग्लादेश को शिकस्त दी। भारत की दीपशिखा क्वालीफिकेशन राउंड में 705 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं। वहीं, वर्ल्ड नंबर-2 ज्योति सुरेखा वेन्नम 703 अंकों के साथ दूसरे और पृथिका प्रदीप 702 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। चिकिथा तनिपर्थी ने 701 अंकों के साथ चौथे पायदान अपने नाम किया। एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में मंगलवार को ढाका में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं के साथ प्रतिस्पर्धा जारी रहेगी। यह प्रतियोगिता पूरे सप्ताह चलेगी। कंपाउंड फाइनल गुरुवार को और रिकर्व फाइनल शुक्रवार को होंगे। ढाका के नेशनल स्टेडियम में जारी एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में 29 देशों के कुल 207 तीरंदाज 10 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

पाकिस्तान में क्रिकेटर नहीं हैं सुरक्षित; श्रीलंका सीरीज से पहले हुई फायरिंग, पाक गेंदबाज का घर गोलियों से भूना गया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान में अभी भी भारतीय क्रिकेट टीम जाकर नहीं खेलती है। वहीं दुनिया के कई देश आज भी यहां जाकर क्रिकेट खेलने में कतराते हैं। 2009 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की बस पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद हर टीम के अंदर पाकिस्तान जाकर खेलने से डर रहता है। फिर भी पिछले एक दो साल में पाकिस्तान में जाकर कुछ देशों ने क्रिकेट खेला है। वहीं श्रीलंका की टीम वनडे सीरीज के लिए अभी पाकिस्तान के दौरे पर है। सीरीज की शुरुआत से कुछ घंटों पहले ही पाकिस्तान के एक बड़े खिलाड़ी का घर गोलियों से भून दिया गया। आपको बता दें कि श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच पहला वनडे मैच रावलपिंडी में 11 नवंबर को खेला जाना है। जबकि सोमवार 10 नवंबर को पाकिस्तानी गेंदबाज नसीम शाह के घर के बाहर गोलीबारी का मामला सामने आया है।

खेल जगत में बड़े बदलाव के संकेत:
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम स्पोर्ट्स सिटी बनेगी, सरकार ने शुरू की तैयारिया

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस परियोजना के तहत मौजूदा स्टेडियम को तोड़कर दोबारा बनाया जाएगा, ताकि यहां सभी प्रमुख खेलों के लिए सुविधाएं और खिलाड़ियों के ठहरने के लिए आवासीय परिसर तैयार किए जा सकें।

देश की राजधानी स्थित प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (जेएलएन स्टेडियम) को अब एक स्पोर्ट्स सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा।

खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस परियोजना के तहत मौजूदा स्टेडियम को तोड़कर दोबारा बनाया जाएगा, ताकि यहां सभी प्रमुख खेलों के लिए सुविधाएं और खिलाड़ियों के ठहरने के लिए आवासीय परिसर तैयार किए जा सकें।

बड़े बदलाव की तैयारी में खेल मंत्रालय: मंत्रालय के सूत्र के अनुसार, यह योजना फिलहाल प्रस्ताव स्तर पर है, इसलिए अभी इसकी लागत और समयसीमा तय नहीं की गई है। सूत्र ने बताया, स्टेडियम को तोड़ा जाएगा। इसके अंदर मौजूद सभी दफ्तर जैसे नेशनल एंटी

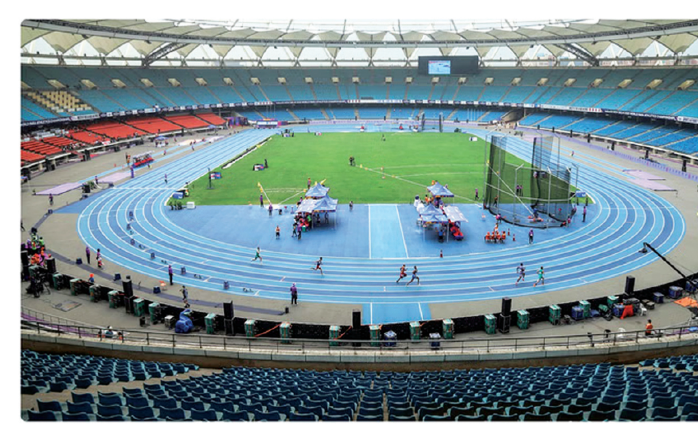

डोपिंग एजेंसी (नाडा), नेशनल डोप टेस्टिंग लेबोरेटरी (एनडीटीएल) और आयकर विभाग को परियोजना शुरू होने पर अन्य जगह स्थानांतरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्टेडियम की 102 एकड़ जमीन का उपयोग उसकी पूरी क्षमता के अनुसार नहीं हो रहा है।

नया स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट सुनिश्चित करेगा कि यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण की सुविधाएं, एथलीट्स के रहने की व्यवस्था और यहां तक कि मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित हो सकें। वर्तमान में स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का मुख्यालय और सरकार की खेलो इंडिया परियोजना का दफ्तर भी स्थित है।

सूत्रों के मुताबिक, यह परियोजना कई मंत्रालयों, विशेषकर शहरी विकास मंत्रालय के सहयोग से पूरी होगी। इसलिए इसके तुरंत शुरू होने की संभावना कम है। अधिकारी ने कहा, यह फिलहाल एक विचार है, लेकिन मंत्रालय इस दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ना चाहता है।

एटीपी फाइनल्स : सिनर की शानदार शुरुआत, अलियासिमे को 7-5, 6-1 हराया

ट्यूरिन, एजेंसी। इटली के स्टार खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर एटीपी फाइनल्स में आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है। सिनर ने चोट से जूझ रहे कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 1 घंटे 41 मिनट तक चले मुकाबले में शिकस्त दी।

इस जीत के साथ जैनिक सिनर ने ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में अपना रिकॉर्ड 1-0 कर लिया है। 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी अब लगातार 27 मैचों से जीत की लय में हैं। उन्होंने 2023 के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद से एटीपी

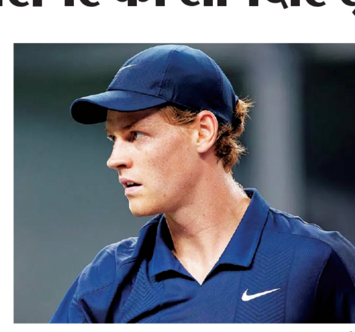

फाइनल्स में एक भी सेट नहीं गंवाया है। जैनिक सिनर और ऑगर-अलियासिमे ने पहले सेट में कड़ा संघर्ष किया। कनाडाई खिलाड़ी ने 3-2 पर दो ब्रेक प्वाइंट और 5-4 पर एक सेट प्वाइंट बचाने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन वह 12वें गेम में सिनर को निर्णायक ब्रेक नहीं दे पाए। इस बीच उन्होंने अपने बाएं पैर में दर्द महसूस किया। फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने पहले सेट के अंत में ऑफ-कोर्ट मेडिकल टाइम-आउट लिया।

फेलिक्स ऑगर-अलियासि दूसरे सेट के दूसरे गेम में सर्विस गंवाने के बाद उबर नहीं पाए। वह बाईं पिंडली में दर्द से परेशान थे। ऐसे में कोर्ट पर ही उनका उपचार किया गया। परेशानी के बावजूद उन्होंने लगातार संघर्ष किया, लेकिन सेट को 1-6 से गंवा बैठे। मुकाबला जीतने के बाद सिनर ने ऑगर-अलियासिमे के बारे में कहा, मुझे उम्मीद है कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं होगी। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

उम्मीद करता हूं कि वह पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएं। इनाल्पी एरिना में जीत के साथ सिनर ने एटीपी ईयर-एंड नंबर 1 के लिए कार्लोस अल्काराज को पछाड़ने की अपनी संभावनाओं को भी बरकरार रखा है। लाइव रैंकिंग में यह इतालवी खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी से 1,050 अंक पीछे है। दूसरी ओर, अल्काराज ने रविवार दोपहर एलेक्स डी मिनौर को हराकर अपने एटीपी फाइनल्स अभियान की शुरुआत की थी।

सम्राट 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व चैंपियन, मनु-ईशा पदक से चूकीं, तालिका में पांचवें स्थान पर भारत

काहिरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा। युवा भारतीय निशानेबाज सम्राट राणा ने सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। करनाल के सम्राट ने फाइनल में 243.7 अंक हासिल कर चीन के हू काई को पछाड़ा। काई ने 243.3 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा।

मनु और ईशा पदक से चूकीं

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और कई एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पदक जीतने से चूक गयी। पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम कांस्य पदक विजेता मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा चल रहा था लेकिन 14वें निशाने में 8.8 का खराब स्कोर करने के कारण वह शीर्ष स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर आ गई और 139.5 अंक के साथ पदक की दौड़ से बाहर हो गयी। हाल ही में चीन के निंगबो में विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने वाली ईशा भी दबाव में धैर्य नहीं दिखा सकी। 20 वर्षीय यह निशानेबाज आठ निशानेबाजों के फाइनल में 10.7 के शानदार प्रदर्शन के बाद 14वें निशाने में 8.4 अंक ही बना पाई और छठे स्थान पर रहीं। चीन की 20 वर्षीय याओ कियानक्सुन ने 243.0 अंक हासिल करके अपने करियर का सबसे बड़ा पदक जीता, जबकि हांगकांग-चीन की हो चिंग शिंग (241.2) और वेई कियान (चीन, 221.4) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

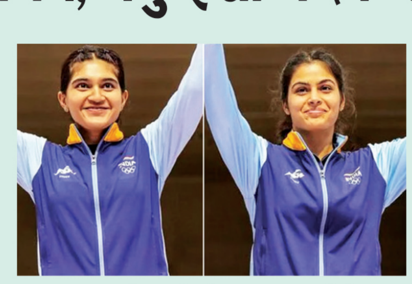

भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर थोड़ी सांत्वना मिली जिसमें ईशा (583), मनु (580) और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सुरुचि इंदर सिंह (577) ने 1740 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। ईशा और मनु दोनों ही क्वालिफिकेशन में अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर फाइनल में पहुंचीं। ईशा ने क्वालिफिकेशन चरण में 583 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने इस दौरान तीसरी सीरीज में परफेक्ट-100 भी हासिल किया।

मनु ने क्वालिफिकेशन में 580 अंक हासिल किए और छठे स्थान के साथ आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने फाइनल में 13वें निशाने पर शानदार 10.7 अंक के साथ बढ़त बनाई, लेकिन अगले निशाने (8.8 अंक) के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।

दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा : प्रधानमंत्री मोदी

» थिंपू, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि घटना की जांच कर रही एजेंसियां मामले की तह तक जाएंगी और इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों को न्याय के शिकंजे में लाया जाएगा। मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंगए वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की घटना के मद्देनजर वह भारी मन से थिंपू आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सोमवार को पूरी रात विस्फोट की जांच कर रही एजेंसियों के संपर्क में रहे। दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार शाम एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

मोदी ने कहा कि भारत और भूटान के बीच सदियों से गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। इसलिए, इस खास मौके का हिस्सा बनना भारत और मेरी प्रतिबद्धता थी। उन्होंने कहा कि लेकिन आज मैं भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी को बहुत दुखी किया है। मैं प्रभावित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मोदी ने कहा, हमारी एजेंसियां इस साजिश की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा। सभी जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने चांगलीमेथांग स्टेडियम में हजारों भूटानी नागरिकों की मौजूदगी में दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों के लिए प्रार्थना की। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि भूटानी नेतृत्व ने दिल्ली विस्फोट में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और सभी प्रभावित परिवारों के लिए विशेष प्रार्थना की। दिल्ली में जांचकर्ता इस विस्फोट की संभावित आतंकवादी हमले के रूप में जांच रहे हैं। उन्होंने कश्मीर के डॉक्टर उमर नबी पर संदेह जताया है, जो कथित तौर पर उस कार को चला रहा था, जिसका इस्तेमाल लाल किले के पास विस्फोट के लिए किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर भूटान पहुंचे

थिंपू, भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को भूटान पहुंचे, जहां वह हिमालई देश के चतुर्थ नरेश जिग्मे सिंगए वांगचुक के 70वें जन्मदिन समारोह में शामिल होंगे। पारो हवाई अड्डे पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने उनका स्वागत किया। तोबगे ने एक पोस्ट में कहा, मैं अपने बड़े भाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पूरे देश के साथ मिलकर भूटान में स्वागत करता हूं। मोदी इस यात्रा के दौरान भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री तोबगे के साथ वार्ता करेंगे। मोदी और नरेश वांगचुक भारत और भूटान द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 1020 मेगावाट की पुनात्सांगछू-दो जलविद्युत परियोजना का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे। मोदी चतुर्थ नरेश से भी मिलेंगे और भूटान के पूर्व नरेश के 70वें जन्मदिन के समारोह में शामिल होंगे।

मोदी ने भारत और भूटान के बीच ऊर्जा सहयोग और कनेक्टिविटी बढ़ाने का आह्वान किया

थिंपू, भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और भूटान सिर्फ सीमाओं से ही नहीं, बल्कि संस्कृति से भी जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और संपर्क (कनेक्टिविटी) बढ़ाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंगए वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है और अवसर समृद्धि पैदा करते हैं। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत गेलेफु और समत्से शहरों को भारत के विशाल रेल नेटवर्क से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर भूटान के उद्योगों और किसानों की भारत के विशाल बाज़ार तक पहुंच और आसान हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि रेल और सड़क संपर्क के अतिरिक्त दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गेलेफु माइंडफुलनेस सिटी पहल का उल्लेख करते हुए इसके विकास के लिए भारत के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि भारत जल्द ही आगंतुकों और निवेशकों की सुविधा के लिए गेलेफु के पास आव्रजन चौकी स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि भारत और भूटान का तेज़ी से विकास हो रहा है और उनकी ऊर्जा साझेदारी इस विकास को गति दे रही है।

राष्ट्रपति कस भारतीय समुदाय से आह्वान

भारत-अंगोला के साझा विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं : मुर्मू

» लुआंडा, भाषा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि भारत और अंगोला के बीच व्यापार, निवेश तथा जनता के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने यहां भारतीय समुदाय से इन पहलों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। राष्ट्रपति मुर्मू चार दिवसीय राजकीय दौरे पर अंगोला में हैं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की इस अटलांटिक महासागर तटवर्ती अफ्रीकी देश की पहली राजकीय यात्रा है। वह अपने दौरे के तीसरे दिन सोमवार को यहां भारतीय समुदाय के सम्मान में आयोजित एक स्वागत समारोह को संबोधित कर रही थीं। अंगोला में लगभग 8,000 भारतीय रहते हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार और अन्य कार्यों से जुड़े हैं। अंगोला में भारत के राजदूत विधु पी. नायर ने बताया कि यहां का भारतीय समुदाय देश के लगभग सभी राज्यों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अंगोला भारत की ऊर्जा सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण साझेदार है और भारत अंगोला के शीर्ष व्यापारिक भागीदारों में शामिल है। उन्होंने कहा, पिछले वर्ष भारत-अंगोला द्विपक्षीय व्यापार पांच अरब अमेरिकी डॉलर के ऐतिहासिक स्तर को पार कर गया था। उन्होंने बताया कि भारत अंगोला को औषधियां, खाद्य पदार्थ, परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद, ऑटोमोबाइल और मशीनरी की आपूर्ति करता है। भारतीय कंपनियां खुदरा, पर्यटन, हीरा, ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, आतिथ्य और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हैं और इन निवेशों ने अंगोला की आर्थिक वृद्धि तथा रोजगार सृजन में योगदान दिया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने भारतीय प्रवासी समुदाय को दोनों देशों के बीच सेतु बताते हुए कहा कि व्यापार, निवेश और जन-से-जन संबंधों को और सुदृढ़ करने के असीम अवसर मौजूद हैं और उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों से साझा समृद्धि के इस प्रयास में सक्रियता से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय भारत में हो रहे विकासात्मक परिवर्तनों का अभिन्न हिस्सा है और देश उनके विचारों तथा निवेश प्रस्तावों का स्वागत करता है। राष्ट्रपति ने स्थानीय भारतीयों की उद्यमशीलता, मेहनत और पेशेवर उत्कृष्टता की सराहना की, जिसने अंगोला की आर्थिक वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुर्मू ने कहा कि भारत अपने अफ्रीकी साझेदारों, विशेषकर अंगोला, के साथ अपने संबंधों को अत्यधिक महत्व देता है। यह साझेदारी समानता, परस्पर विश्वास और प्रगति की साझा आकांक्षाओं पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की तीव्र गति से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और विकसित भारत के लक्ष्य को 2047 तक प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। देश की नीतियां और योजनाएं इसी दृष्टि से प्रेरित हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की अफ्रीका के साथ भागीदारी इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट (आईएएफएस) के ढांचे के अंतर्गत विकसित हुई है और भारत शीघ्र ही अगले आईएएफएस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए आशान्वित है।

भारत सीमापार आतंकवाद और हथियारों की अवैध तस्करी से पीड़ितः संयुक्त राष्ट्र में भारतीय दूत

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के दूत ने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा है कि भारत सीमापार से आतंकवाद से पीड़ित है, जिसके तहत सीमा की दूसरी तरफ से तस्करी किए गए अवैध हथियारों का इस्तेमाल करके भारत को निशाना बनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को ऐसे हथियारों के उपयोग और उनकी आपूर्ति में मदद करने वाले लोगों के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए। हरीश ने सोमवार को यूएन सिक्योरिटी काउंसिल स्मॉल आर्म्स ओपन डिबेट में कहा भारत कई दशक से आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष कर रहा है। इसकी वजह से यह छोटे हथियारों और गोलाबारूद की गैरकानूनी आपूर्ति और उनके आतंकवादी समूहों के हाथ लगने से जुड़े खतरों से पूरी तरह अवगत है। हरीश ने नई दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट में कम से कम नौ लोगों की मौत होने के कुछ घंटे बाद संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में यह टिप्पणी की। विस्फोट सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में हुआ। हरीश ने पाकिस्तान का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, भारत को सीमा पार से आतंकवाद के कारण नुकसान उठाना पड़ा है, जिसके तहत हमारी सीमाओं के पार से तस्करी किए गए ड्रोन समेत अवैध हथियारों का उपयोग किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक

» टोरंटो, भाषा।

जी-7 औद्योगिक देशों के शीर्ष राजनयिक कनाडा के ओंटारियो में एक उच्च-स्तरीय बैठक के लिए जुटने लगे हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब रक्षा खर्च, व्यापार और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा पट्टी में युद्ध-विराम योजना तथा रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की कोशिशों पर जारी अनिश्चितता को लेकर अमेरिका और कनाडा जैसे पारंपरिक सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ रहा है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने समाचार एजेंसी एपी के साथ साक्षात्कार में कहा कि व्यापार संबंधी मुद्दों पर बढ़ते तनाव के बावजूद कई मामलों में संबंधों को जारी रखना जरूरी है। आनंद मंगलवार और बुधवार को होने वाली दो दिवसीय बैठक के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान के अपने समकक्षों की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, सऊदी अरब, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन के विदेश मंत्रियों को भी बैठक के लिए आमंत्रित किया है। आनंद ने कहा, दुनियाभर से 15 विदेश मंत्री ग्रेट व्हाइट नॉर्थ आ रहे हैं और मजेदार बात यह है कि वे हमारे यहां साल की पहली बड़ी बर्फबारी के सप्ताह में एकत्र हो रहे हैं। उन्होंने कहा, कनाडा संरक्षणवाद, एकपक्षीयता और आर्थिक एवं भू-राजनीतिक अस्थिरता के इस युग में बहुपक्षीय रूप से नेतृत्व करना जारी रख रहा है। आनंद ने कहा, जी7 में हम उन क्षेत्रों की खोज पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जहां हम बहुपक्षीय सहयोग कर सकते हैं। व्यापार के मोर्चे पर हम जो भी अन्य प्रयास कर रहे हैं, उसके बीच यह बातचीत जारी रहेगी। उन्होंने कहा, हर जटिल संबंध में अनेक पहलू होते हैं। व्यापार के मोर्चे पर, लगातार काम किया जाना जरूरी है - ठीक उसी तरह जैसे कि अन्य मोर्चों पर। रूबियो के साथ मेरी मुलाकात, इन्हीं अन्य मोर्चों पर चर्चा पर केंद्रित होगी।

अमेरिका के फ्लोरिडा में राहत मिशन पर रवाना हुआ छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो लोगों की मौत

» फ्लोरिडा, भाषा।

अमेरिका में राहत मिशन पर रवाना हुआ एक छोटा विमान फोर्ट लाउडरडेल के कोरल स्प्रिंग उपनगर में रिहाइशी इलाके में स्थित एक तालाब में दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों और एक स्थानीय व्यक्ति ने यह जानकारी दी। कोरल स्प्रिंग्स पुलिस विभाग ने सोमवार दोपहर एक बयान में मौतों की पुष्टि की। लेकिन पुलिस ने विमान में सवार लोगों के बारे में और जानकारी नहीं दी। कोरल स्प्रिंग्स-पार्कलैंड अग्निशमन विभाग के उप प्रमुख माइक मोजर ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलने के कुछ ही मिनट के अंदर आपातकालीन दल ने कार्रवाई शुरू कर दी।

हवाई अड्डे के मालिक और संचालनकर्ता फोर्ट लाउडरडेल शहर के एक प्रवक्ता ने बताया कि छोटे बीचक्राफ्ट किंग एयर विमान ने फोर्ट लाउडरडेल एग्जीक्यूटिव एयरपोर्ट से सुबह लगभग 10:14 बजे उड़ान भरी, जिसके तुरंत बाद दुर्घटना हो गई। कोरल स्प्रिंग्स पुलिस अधिकारी व दमकलकर्मी 10:19 बजे, यानी पांच मिनट बाद, घटनास्थल पर पहुंचे। विमान राहत मिशन के तहत जमैका जा रहा था, जहां 28 अक्टूबर को मेलिसा तूफान के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

दिल्ली में विस्फोट के बाद ब्रिटेन ने यात्रा परामर्श में किया बदलाव, सावधानी बरतने की अपील की

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन ने सोमवार शाम दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद भारत की यात्रा करने वाले ब्रिटिश नागरिकों के लिए अपने यात्रा परामर्श को अद्यतन कर दिया है। विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) की ओर से जारी अद्यतन परामर्श में दिल्ली में रह रहे ब्रिटिश नागरिकों से स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करने का आह्वान किया गया है। परामर्श में कहा गया है, नई दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन पर एक विस्फोट हुआ है। यदि आप आसपास के क्षेत्र में हैं, तो स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करें और स्थानीय मीडिया पर नजर रखें।

एफसीडीओ का देश-आधारित परामर्श यात्रा संबंधी मार्गदर्शन है, न कि सरकार द्वारा लागू किया गया कोई नियम। इसका उद्देश्य यात्रियों को सुविचारित निर्णय लेने के लिए जोखिमों को चिह्नित करना है और यदि परामर्श की अनदेखी की जाती है, तो यात्रा बीमा अमान्य हो सकता है। भारत के लिए जारी परामर्श में कोई अन्य बदलाव नहीं किया गया है तथा भारत-पाकिस्तान सीमा के पास 10 किलोमीटर के क्षेत्र में यात्रा न करने की सलाह दी गई है, सिवाय वाघा को छोड़कर जहां से यात्री सीमा पार कर सकते हैं।

भारत के साथ व्यापार समझौता करने के बेहद करीब है अमेरिका : ट्रंप

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, भारत के साथ न्यायसंगत व्यापार समझौते पर पहुंचने के काफी करीब है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) को किसी समय कम कर देंगे। ट्रंप ने सोमवार को कहा, हम भारत के साथ एक समझौता कर रहे हैं, यह पहले की तुलना में बहुत अलग है। इसलिए अभी वे मुझे पसंद नहीं करते लेकिन वे हमें फिर से पसंद करेंगे। उन्होंने ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जहां उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका के नए राजदूत के रूप में शपथ दिलाई। ट्रंप ने भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अमेरिका के शानदार संबंध हैं।

उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री मोदी के साथ शानदार संबंध हैं और सर्जियो गोर ने इस रिश्ते को और मजबूत किया है क्योंकि वह पहले से ही प्रधानमंत्री के साथ दोस्ताना संबंध रखते हैं। जब उन्हें पता चला कि सर्जियो भारत के राजदूत बनने वाले हैं तो वे लगातार संपर्क में रहते थे कि आइए, इस व्यक्ति को जानें। और उन्हें सर्जियो पसंद आए। ट्रंप ने कहा, हम एक उचित समझौता कर रहे हैं, सिर्फ एक न्यायसंगत व्यापार सौदा। पहले हमारे पास काफी अनुचित व्यापार समझौते थे। भारत के लोग बहुत अच्छे वार्ताकार हैं, सर्जियो, इसलिए इस पर ध्यान रखना होगा। उन्होंने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से कहा, लेकिन हम काफ़ी करीब पहुंच चुके हैं। स्कॉट, मेरा मानना है कि हम एक ऐसा सौदा करने के बहुत करीब हैं जो सबके लिए अच्छा होगा। इस पर स्कॉट बेसेंट ने जवाब दिया, बिल्कुल सही। ट्रंप ने कहा, पहले क्या (पूर्व राष्ट्रपति जो) बाइडन ऐसा सवाल पूछते? मुझे नहीं लगता। वह पूछते कि भारत के साथ क्या स्थिति है? उन्हें भारत के बारे में कुछ पता नहीं था। खैर, कोई बात नहीं। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह भारत के साथ व्यापार समझौते के तहत शुल्क कम करने पर विचार करेंगे, तो उन्होंने कहा, अभी भारत पर बहुत ऊंचे शुल्क हैं क्योंकि उन्होंने रूसी तेल खरीदा था। लेकिन अब उन्होंने रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है। रूसी तेल की खरीद में काफी कमी आई है। हां, हम जल्द ही इन शुल्कों को कम करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, किसी भी समय हम इन्हें कम करेंगे। बिना शुल्क के हमारा देश बहुत मुश्किल में पड़ जाएगा, जैसे कि पहले कई सालों तक रहा था। भारत और अमेरिका के संबंध हाल के महीनों में तनावपूर्ण रहे हैं क्योंकि ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाया था जिनमें रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क शामिल है। भारत ने इस कदम को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अव्यावहारिक बताते हुए कहा था कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित पर आधारित है।

लाल किला विस्फोट की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं: अमेरिकी विदेश मंत्रालय

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा। दिल्ली में लाल किले के पास हुए भीषण विस्फोट पर संवेदना व्यक्त करते हुए अमेरिका ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, नई दिल्ली में हुए भयानक विस्फोट से प्रभावित लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हम स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है उनके प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक सुरक्षा अलर्ट में कहा, विस्फोट का कारण अभी ज्ञात नहीं है। भारत सरकार ने कई राज्यों को हाई अलर्ट पर रखा है। अपने सुरक्षा अलर्ट में दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को दिल्ली में लाल किले और चांदनी चौक के आसपास के इलाकों से दूर रहने, भीड़भाड़ से बचने और स्थानीय मीडिया पर अद्यतन जानकारी के लिए नजर रखने की सलाह दी। दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों को अपने आसपास के माहौल के प्रति सचेत रहने और पर्यटकों द्वारा अक्सर देखी जाने वाली जगहों पर सतर्कता बरतने की सलाह दी। इससे पूर्व विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा था, हमें दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट की जानकारी है। हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और कांसुलर (दूतावास संबंधी) सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में हुए तेज धमाके में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई वाहन जलकर खाक हो गए। पुलिस ने बताया कि जिस कार में विस्फोट हुआ उसमें तीन लोग सवार थे।

अमेरिका, चीन और श्रीलंका ने दिल्ली में विस्फोट में लोगों की मौत होने पर शोक जताया

विस्फोट में बारह लोगों की मौत

» बीजिंग/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका, चीन, श्रीलंका, मालदीव, इजराइल, आयरलैंड और नेपाल ने मंगलवार को कहा कि भारत की राजधानी दिल्ली में विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की जान चले जाने और कई अन्य के घायल होने से उन्हें गहरा दुख हुआ है। सोमवार शाम दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास धीमी गति से चल रही एक कार में यह शक्तिशाली विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में 12 लोगों की जान चली गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। इस घातक विस्फोट पर संवेदना व्यक्त करते हुए, अमेरिका ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। विदेश विभाग के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, नई दिल्ली में हुए भयानक विस्फोट से प्रभावित लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं।

जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदना है। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। चीन ने दिल्ली में हुए बम विस्फोट पर दुख जताया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, हम इस घटना से स्तब्ध हैं। उन्होंने मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति गहरी सहानुभूति व्यक्त की तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने सोशल मीडिया पर लिखा, दिल्ली में कल रात हुए विस्फोट की खबर से गहरा दुख हुआ। श्रीलंका भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। हमारी संवेदनाएं सभी प्रभावितों के साथ हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि उन्हें विस्फोट में लोगों की मौत पर गहरा दुख हुआ है। उन्होंने एक्स पर लिखा, हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। मालदीव इस कठिन समय में भारत के लोगों और सरकार के साथ खड़ा है। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। नेपाल दुख की इस घड़ी में भारत के साथ खड़ा है। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने भारत के लोगों, विशेषकर विस्फोट में मारे गए निर्दोष लोगों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा, इजराइल आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है। आयरलैंड के उप-प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने कहा कि दिल्ली में हुए दुखद विस्फोट से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने कहा, हमारी संवेदनाएं इस हमले में मारे गए लोगों के परिवारों, घायलों और उनके परिवारों के साथ हैं। इस कठिन समय में हम भारत के लोगों और सरकार के साथ अपना पूरा समर्थन एवं एकजुटता व्यक्त करते हैं। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने भी भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, दिल्ली में कल रात हुए विस्फोट से उन्हें गहरा दुख हुआ।

अमेरिकी सीनेट ने शटडाउन समाप्त करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दी

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने सरकारी शटडाउन (सरकारी कामकाज के लिए वित्तपोषण की कमी) समाप्त करने के लिए सोमवार को विधेयक पारित कर दिया और इसी के साथ इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन खत्म होने के करीब पहुंच गया। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक छोटे समूह ने अपनी पार्टी के भीतर तीखी आलोचना के बावजूद रिपब्लिकन के साथ एक समझौते की पुष्टि की जिसकी मदद से यह विधेयक पारित हुआ। पिछले 41 दिन से जारी शटडाउन कुछ और दिन जारी रह सकता है क्योंकि संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा के सदस्य सितंबर के मध्य से अवकाश पर हैं। वे विधेयक पर मतदान करने के लिए वाशिंगटन लौटेंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विधेयक के प्रति समर्थन का संकेत देते हुए सोमवार को कहा, हम जल्द ही शटडाउन समाप्त करेंगे। दरअसल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक समूह ने स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के विस्तार की गारंटी के बिना चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की जिससे उनके कॉकस के कई सदस्य नाराज हो गए। इस कॉकस का कहना है कि अमेरिकी लोग चाहते हैं कि सब्सिडी को लेकर लड़ाई जारी रखी जाए। सीनेट में सरकार के कामकाज को वित्तपोषित करने के मकसद से समझौता विधेयक 40 के मुकाबले 60 मतों से पारित हो गया। डेमोक्रेटिक नेताओं ने मांग की थी कि रिपब्लिकन नेता एक जनवरी को समाप्त हो रहे स्वास्थ्य देखभाल कर क्रेडिट की अवधि बढ़ाने के लिए उनके साथ बातचीत करें। रिपब्लिकन नेताओं ने ऐसा नहीं किया। बाद में कुछ डेमोक्रेटिक नेताओं ने संघीय खाद्य सहायता में देरी होने, हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित होने और लाखों संघीय कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पाने के कारण अंततः अपना रुख बदल दिया।

हमारी पहली प्राथमिकता हमलावर की पहचान करना : नकवी

इस्लामाबाद में अदालत के बाहर आत्मघाती बम विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई: गृह मंत्री

» इस्लामाबाद (पाकिस्तान), भाषा।

गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में स्थित एक अदालत के बाहर मंगलवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। विस्फोट स्थल का दौरा करने वाले नकवी ने कहा कि हमलावर अदालत परिसर में घुसना चाहता था, लेकिन असफल होने पर उसने दोपहर 12.39 बजे (स्थानीय समयानुसार) राजधानी के जी-11 इलाके में इमारत के फाटक पर एक पुलिस वाहन के पास विस्फोट करके खुद को उड़ा लिया।

मंत्री ने कहा कि इस्लामाबाद जिला न्यायिक परिसर के पास हुए विस्फोट में 12 लोग मारे गए और 27 अन्य घायल हो गए, जिनमें सुरक्षाकर्मी और एक वकील भी शामिल हैं। किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन ऐसे हमले आमतौर पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानी (टीटीपी) द्वारा किए जाते हैं। नकवी ने अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा, हमारी पहली प्राथमिकता हमलावर की पहचान करना है... जब भी हमलावर की पहचान हो जाएगी, हम मीडिया को जानकारी देंगे। नकवी ने कहा कि पीड़ितों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को प्रायोजित करने वालों ने वित्तपोषण की राशि तीन गुना बढ़ा दी है। उन्होने कहा, हम आज के विस्फोट को कई कारकों से जोड़ रहे हैं। आने वाले घंटों में चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। इसके कई संदेश हैं...। उन्होंने कहा, मैं इस समय कुछ नहीं कहना चाहता, जैसा कि अक्सर भारतीय करते हैं (ऐसी घटनाओं के तुरंत बाद दोषारोपण शुरू कर देते हैं)। हम पूरे सबूत और विवरण के साथ आएंगे। नकवी ने कहा कि पाकिस्तान का स्पष्ट मानना है कि अफगानिस्तान को अपनी धरती से आतंकवाद को रोकना चाहिए, अन्यथा हमें उनके खिलाफ कार्वाई करनी होगी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ दोनों ने इस हमले को आत्मघाती विस्फोट करार दिया। रक्षा मंत्री आसिफ ने कहा कि अफगान तालिबान ने इस विस्फोट के जरिए एक संदेश भेजा है। रक्षा मंत्री ने इस्लामाबाद में हुए हमले पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, काबुल के शासक पाकिस्तान में आतंकवाद को रोक सकते हैं, लेकिन इस युद्ध को इस्लामाबाद तक लाना काबुल से एक संदेश है, जिसका जवाब देने के लिए - अल्लाह के रहमोकरम से पाकिस्तान के पास जवाब देने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा, इस माहौल में, काबुल के शासकों के साथ सफल बातचीत की कोई बड़ी उम्मीद रखना बेमानी होगा।

खैबर पख्तूनख्वा में आईईडी विस्फोट में 16 सुरक्षाकर्मी घायल

पेशावर, भाषा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में कम से कम 16 जवान घायल हो गए। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना और फ्रंटियर कोर के जवानों का यह काफिला डेरा इस्माइल खान जिले की लोनी चौकी से लौट रहा था तभी सोमवार देर रात लोनी गांव में आईईडी विस्फोट हुआ। इस बीच, सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान जिले में कैडेट कॉलेज के मुख्य द्वार पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए विस्फोट में छह लोग घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, कैडेट कॉलेज वाना पर हमला कथित तौर पर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने किया था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,